राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 29 जुलाई 2024 वर्ष–7,अंक–186 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

तेज बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त, पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन

-दिल्ली में मौसम खेल रहा आंख मिचौली, देश के कई राज्यों में बाढ़ जैसे हालात

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली में मौसम आंख मिचौली खेल रहा है कभी बारिश तो कभी धूप निकल रही है। उमस भरी गर्मी से लोग परेशान हैं। वहीं, देश के पहाड़ों इलाकों में भूस्खलन के साथ बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह से अस्तव्यस्त कर दिया है। राजस्थान के ज्यादातर इलाकों में हल्की से भारी बारिश जारी है। असम, पश्चिम बंगाल के साथ ही महाराष्ट्र के कोल्हापुर और आसपास के इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बने गए हैं। कोल्हापुर जिले में पिछले दो दिनों से भारी बारिश का दौर जारी है। इस बारिश के कारण जिले के 83 बांध पानी में समा गए हैं। ओडिशा में मौसम विभाग ने भारी बारिश के चलते 13 जिलों में हाई अलर्ट जारी किया हुआ है।

दिल्ली के कुछ हिस्सों में शनिवार को बारिश हुई। शहर में अधिकतम तापमान 36.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो औसत से 1.4 डिग्री ज्यादा था। मौसम विभाग ने रविवार को दिल्ली में बादल छाए रहने और हल्की बारिश होने की संभावना जताई है। इस दौरान अधिकतम और न्यूनतम तापमान 36 और 29 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। वहीं, नोएडा और गुड़गांव में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले कुछ दिन तक हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है। वहीं उत्तरप्रदेश के कई शहर में मध्यम से तेज बारिश हुई। हालांकि, बारिश के बाद धूप से उमस ने लोगों को परेशान कर दिया। दिनभर उमस के कारण लोग बेहाल रहे। शनिवार को दिन का पारा 37 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं रात का पारा 29 डिग्री सेल्सियस रहा। लखनऊ में मौसम में कोई खास बदलाव देखने को नहीं मिलेगा। रविवार को आंशिक बादल छाए रहेंगे और छिटपुट बारिश की उम्मीद है। तापमान में मामूली इजाफा हो सकता है। मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एम दानिश ने बताया कि अगले दो दिन पूरे प्रदेश में छिटपुट बारिश हो सकती है। 30 जुलाई से मौसम में बदलाव हो सकता है। 30 जुलाई से मानसून ट्रफ के उत्तर की तरफ आ सकता है जो अभी दक्षिण की तरफ है। इसके कारण बारिश में कमी आ रही है। उत्तराखंड के कई इलाकों में बारिश और भूस्खलन हो रहा है। रुद्रप्रयाग जिले में शनिवार को सोनप्रयाग स्थित सोन नदी के तेज बहाव से सड़क का एक हिस्सा बह गया। रास्ते को खोलकर करीब 2500 श्रद्धालुओं का रेस्क्यू किया गया। बारिश के कारण

रुद्रप्रयाग में कोटेश्वर महादेव गुफा में भी पानी भर गया है। उत्तरकाशी जिले के गंगोत्री में भागीरथी का जलस्तर बढ़ने से उसका जलस्तर गंगोत्री में आरती स्थल भागीरथ शिला तक आ गया आया है। गढ़वाल क्षेत्र में अलकनंदा और मंदाकिनी नदियां खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। शिमला मौसम विभाग ने 31 जुलाई तक राज्य के आठ जिलों में भारी बारिश की चेतावनी देते हुए 'येलो' अलर्ट जारी किया जबकि दो अगस्त तक बारिश जारी रहने का पूर्वानुमान जताया है। मौसम विभाग ने तेज हवाओं के कारण बागानों, खड़ी फसलों, कमजोर संरचनाओं और 'कच्चे' मकानों को नुकसान पहुंचने और निचले इलाकों में जलभराव की चेतावनी दी है। प्रदेश में 27 जून को मानसून की शुरुआत के बाद से बारिश से संबंधित घटनाओं में 56 लोगों की मौत हो गई है।

सीएम ममता बनर्जी का माइक बंद करने वाला आरोप झूठा: चिराग

पटना । पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी के माइक बंद करने वाले आरोपों पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि ये गलत आरोप है कि नीति आयोग की बैठक में ममता बनर्जी माइक बंद कर दिया गया था। वहां पर माइक का कंट्रोल उस जगह बैठे इंसान का नहीं होता। ये बात झूठ है। चिराग पासवान ने कहा कि जिस तरह से पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी आक्रामक तरीके से बैठक छोड़कर चली गईं यह व्यवहार गलत था। ऐसा लगता है कि जैसे यह विपक्ष की सोची-समझी रणनीति थी अगर किसी राज्य को लगता है कि उनके साथ अन्याय हुआ है तो नीति आयोग में उस मुद्दे को उठा सकते हैं। बता दें कि राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की बैठक हुई। इस मीटिंग में सीएम ममता बनर्जी भी मौजूद रहीं, लेकिन ममता बनर्जी बैठक से भड़कते हुए बाहर निकल गईं। बाहर निकलने के बाद बनर्जी ने संवाददाताओं से कहा कि मैंने कहा कि केंद्र सरकार को राज्य सरकारों के साथ भेदभाव नहीं करना चाहिए। मैं और बोलना चाहती थी लेकिन मेरा माइक म्यूट कर दिया गया। मुझे केवल 5 मिनट बोलने की अनुमति दी गई। मुझसे पहले के लोगों ने 10-20 मिनट तक बात की थी।

राज्यपाल नियुक्त होने पर बागड़े एवं माथुर को सीएम भजनलाल की बधाई

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं महाराष्ट्र विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हरिभाऊ किसनराव बागड़े को राजस्थान तथा भाजपा नेता ओम प्रकाश माथुर को सिक्किम का राज्यपाल नियुक्त किए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर सीएम शर्मा ने कहा कि श्री बागड़े के सानिध्य और कुशल मार्गदर्शन में राजस्थान विकसित राजस्थान बनने की दिशा में तेजी के साथ अग्रसर होगा। इसी तरह उन्होंने श्री माथुर को बधाई देते हुए कहा कि मुझे विश्वास है कि आपके कुशल मार्गदर्शन एवं आपके नेतृत्व में सिक्किम प्रदेश सुशासन के पथ पर बढ़ते हुए विकास के नित नवीन मानक स्थापित करेगा। उन्होंने श्री बागड़े एवं श्री माथुर के उज्ज्वल कार्यकाल के लिए मंगल कामनाएं की हैं।

कर्नाटक में भूस्खलन, हाइवे 75 पर दोनों तरफ वाहन फंसे

शिरडी घाट । कर्नाटक के शिरडी घाट क्षेत्र में शनिवार को राष्ट्रीय राजमार्ग 75 पर हुए भारी भूस्खलन के चलते सैकड़ों वाहन फंसे हुए हैं। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा कि शनिवार को यहां शिरडी घाटी इलाके में भूस्खलन के कारण मंगलूरु और बेंगलूरु की ओर जाने वाले वाहन दोनों तरफ फंस गए हैं। उन्होंने बताया कि राज्य राजमार्ग विभाग के कर्मचारी मलबा हटाने के काम में जुटे हैं तथा सड़क को रविवार सुबह तक साफ कर दिया जाएगा। उनके अनुसार इलाके में भारी वर्षा के कारण मलबे की सफाई में समय लग रहा है। अधिकारियों ने भूस्खलन के चलते हासन और दक्षिण कन्नड़ जिलों के परिवहन ऑपरेटरों और निजी वाहन चालकों को सावधान रहने की सलाह दी है।

सूरत सीट से भाजपा उम्मीदवार की निर्विरोध जीत को गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती

अहमदाबाद . दक्षिण गुजरात की सूरत लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार मुकेश दलाल की निर्विरोध जीत को गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है. इस मामले में पहले भी कोर्ट में याचिका दाखिल की जा चुकी है और फिर एक बार उनकी जीत को चुनौती दी गई है. कोर्ट ने मुकेश दलाल के खिलाफ समन जारी कर मामले की अगली सुनवाई 9 अगस्त को मुकर्रर की है. बता दें कि लोकसभा चुनाव से पहले सूरत लोकसभा सीट पर हाई वाल्टेज ड्रामे के बाद कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुभानी ने अपना नामांकन वापस ले लिया था. नीलेश कुंभानी समेत अन्य उम्मीदवारों के मैदान से हटने के बाद भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल को निर्विरोध विजेता घोषित किया गया था. इस मामले को लेकर सूरत के एक याचिकाकर्ता ने गुजरात हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर मुकेश दलाल को निर्विरोध विजेता घोषित करने के फैसले पर आपत्ति जताई थी. हांलाकि उस समय हाईकोर्ट ने भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल को बड़ी राहत दी थी. हाईकोर्ट ने निर्विरोध प्रत्याशी भी निर्वाचित उम्मीदवार के समान बताते हुए याचिका खारिज कर दी थी. फिर एक बार मुकेश दलाल की निर्विरोध जीत को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है. हाईकोर्ट ने मुकेश दलाल के खिलाफ समन जारी किया है और इस मामले की अगली सुनवाई 9 अगस्त करेगी.

आयकर विवरणी भरने की अंतिम तारीख 31 जुलाई, रो-रो कर चल रहा है सर्वर

नई दिल्ली । वर्ष 2024-25 की विवरणी भरने की अंतिम तारीख 31 जुलाई है। मात्र 3 दिन रिटर्न भरने के बचे हैं। आयकर विभाग का सर्वर रो-रो कर चल रहा है। शनिवार की सुबह 3 बजे सरवर का मेंटेनेंस किया जा रहा था। सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक सरवर पूरी तरह से बंद था। जैसे-तैसे सर्वर चालू हुआ। 10 से 12 मिनट में एक रिटर्न भर जाती है, लेकिन इसको भरने में आधा घंटा से ज्यादा का समय लग रहा था। सरवर में पिछले कई दिनों से यह परेशानी चल रही है। आयकरदाता, सीए और वकील आयकर रिटर्न भरने के लिए परेशान हो रहे हैं। कर सलाहकारों के यहांरिटर्न भरने के लिए लंबी लाइन लगी हुई है। सीए के कर्मचारी 18-18 घंटे काम कर रहे हैं। इसके बाद भी आयकर विवरणी सरवर के कारण नहीं भर पा रहे हैं। आयकर विभाग आए दिन अपने पोर्टल पर नए-नए बदलाव करता है। जिसके कारण बार-बार सरवर बंद हो जाता है। आयकर विवरणी भरने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नशे के खिलाफ जंग लड़ रहा मानस और शहर की खूबसूरती को चार चांद लगा रही परी

मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी ने किया इस बात का जिक्र

नई दिल्ली। (एजेंसी)

देश के अधिकांश शहरों और कस्बों में दीवारों पर बनी सुंदर सी पेंटिंग अक्सर दिखाई देती है। उन्हें देखकर लगता है कि किसी नामचीन पेंटर ने इसे बनाया होगा। जबकि हकीकत ये है कि दीवारों को खूबसूरती के साथ सजाने-संवारने वाले प्रोजेक्ट परी से जुड़े लोग होते हैं। इनके हुनर का जिक्र आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी मन की बात में भी किया है। पीएम ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात तरते हुए मोदी न बताया कि प्रोजेक्ट परी, पब्लिक आर्ट को लोकप्रिय बनाने के लिए उभरते कलाकारों को एक मंच पर लाने का बड़ा माध्यम बन रहा है। आप देखते होंगे, सड़कों के किनारे, दीवारों पर, अंडरपास में बहुत ही सुंदर पेंटिंग्स बनी हुई दिखती हैं।

ये पेंटिंग्स और ये कलाकृतियां यही कलाकार बनाते हैं जो परी से जुड़े हैं। इससे जहां हमारे सार्वजनिक स्थानों की सुंदरता बढ़ती है वहीं हमारी संस्कृति को और ज्यादा लोकप्रिय बनाने में भी मदद मिलती है। ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई में लाया गया मानस बहुत बड़ा कदम है। कुछ दिन पहले ही मानस की हेल्पलाइन और पोर्टल को लांच किया गया है। सरकार ने एक टोल फ्री नंबर 1933 जारी किया है। इस पर कॉल करके कोई भी जरूरी सलाह ले सकता है या फिर रिहैबिलेशन से जुड़ी जानकारी ले सकता है। अगर किसी के पास ड्रग्स से जुड़ी कोई दूसरी जानकारी भी है, तो वो इसी नंबर पर कॉल करके एनसीबी के साथ साझा भी कर सकते हैं।

मानस के साथ साझा की गई हर जानकारी गोपनीय रखी जाती है। भारत को ड्रग्स फ्री बनाने में जुटे सभी लोगों से, सभी परिवारों से, सभी संस्थाओं से मेरा आग्रह है कि मानस हेल्पलाइन का भरपूर उपयोग करें। पीएम मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि रंगों ने हरियाणा के रोहतक जिले की ढ़ाई-सौ से ज्यादा महिलाओं के जीवन में समृद्धि के रंग भर दिए हैं। हथकरघा उद्योग से जुड़ी ये महिलाएं पहले छोटी-छोटी दुकानें और छोटे-मोटे काम कर गुजारा करती थीं।

इन्होंने उन्नति सेल्फ हेल्प ग्रुप से जुड़कर ब्लॉक प्रिंटिंग और रंगाई में ट्रेनिंग हासिल की। कपड़ों पर रंगों का जादू बिखेरने वाली ये महिलाएं आज लाखों रुपए कमा रही हैं। 7 अगस्त को हम नेशनल हैंडलूम्स डे मनाएंगे।

आज कल, जिस तरह हैंडलूम उत्पादों ने लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई है, वो वाकई बहुत सफल है, जबरदस्त है।

रेलवे यात्रियों को एक फोन पर मिलेगा दूध-दवा एवं जरूरत का सामान

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

रेलवे मंत्रालय द्वारा रेलवे यात्रियों को यात्रा के दौरान उनकी जरूरत के सामान उपलब्ध हो। इसके लिए विशेष स्कीम शुरू की गई है। रेल मंत्रालय ने ट्विटर जो अब एक्स के नाम से जाना जाता है। इस ऐप के माध्यम से संपर्क करने पर,या फोन पर अपनी जरूरत बताने पर अगली स्टेशन पर जरूरत के समान यात्रियों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

रतलाम रेल मंडल को इस तरह की सेवाओं में एक्सीलेंट रेटिंग मिली है। रतलाम रेलवे मंडल की सेवाओं से यात्रियों को सबसे ज्यादा संतुष्टि मिली है।

रेलवे ने जो नई सेवा शुरू की है। उसमें जानकारी मिलते ही अगली स्टेशन पर बच्चों के लिए दूध जरूरी दवाइयां डायपर और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर की सेवा भी मात्र 200 रूपये के शुल्क पर यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही है। इसके लिए रेलवे ने अपने सभी टीटीई को निर्देशित किया है। यदि किसी यात्री को इस तरह की कोई जरूरत है। तो वह सामग्री उसे प्रदान कराने की दिशा में यात्रियों को सहयोग करने के लिए निर्देश दिए गए है।

कटरा से श्रीनगर के बीच में नहीं शुरू हो पा रही है रेल सेवा

- 33 नंबर की टनल पर लगातार पानी का रिसाव

- 41000 करोड़ खर्च करने के बाद भी नहीं जुड़ पाया श्रीनगर

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

नई दिल्ली से श्रीनगर तक की रेल यात्रा के लिए 22 साल पहले 2500 करोड रुपए का प्रोजेक्ट बनाया गया था। इस प्रोजेक्ट में अभी तक 4100 करोड रुपए खर्च हो चुके हैं। इसके बाद भी श्रीनगर को रेल मार्ग से नहीं जोड़ा जा सका है। उधमपुर-श्रीनगर बनिहाल रेल लिंक प्रोजेक्ट की आखिरी बाधा तमाम प्रयासों के बाद भी दूर नहीं हो पा रही है। 34 किलोमीटर के कटरा-रियासी रेल मार्ग मैं जो 3.2 किलोमीटर लंबी टनल मे लगातार पानी का रिसाव हो रहा है। पहाड़ से तेजी से पानी टनल में आ रहा है। 30 इंजीनियर और सैकड़ो मजदूर 7 महीने से पानी के इस रिसाव को बंद करने की कोशिश कर रहे हैं। सारे प्रयासों के बाद भी,अभी तक पानी का रिसाव बंद नहीं हो पा रहा है। डोलोमाइट पहाड़ पर टनल तैयार की गई है। जिसके कारण पहाड़ से लगातार पानी का रिसाव टनल में हो रहा है। रेलवे के जनसंपर्क अधिकारी द्वारा कहा जा रहा है। दिसंबर के पहले इस रिसाव को बंद करके जम्मू श्रीनगर के बीच का रेल सफर शुरू हो जाएगा। सड़क मार्ग से श्रीनगर जाने में जम्मू से अभी 12 घंटे का समय लगता है। रेल शुरू हो जाने के बाद यह सफर 6 घंटे में पूरा हो सकेगा। श्रीनगर जाने वाली ट्रेन

चिनाव रेल ब्रिज से होकर गुजरेगी। यह दुनिया का सबसे ऊंचाई वाला रेल ब्रिज होगा। अभी रियासी से बनिहाल तक का ट्रैक बिछा है। मंगलदान से बनिहाल तक की ट्रेन शुरू हो गई है। समुद्र तल से 16000 फीट की ऊंचाई पर चिनाव और झेलम की दुर्गम घाटियों के बीच टनल के जरिए विषम भौगोलिक परिस्थितियों में यह रेल सेवा शुरू होनी है। जब तक पानी का रिसाव बंद नहीं होगा। तब तक श्रीनगर तक रेल चलना संभव नहीं होगा।

इस साल 8702 भक्तों ने की सबसे कठिनतम श्रीखंड महादेव यात्रा, बना रिकॉर्ड

कुल्लू। (एजेंसी)

श्रीखंड महादेव के दर्शन करने के लिए शनिवार को 151 लोगों का अंतिम जत्था रवाना हुआ। इस 8702 लोगों ने सबसे कठिनतम श्रीखंड महादेव यात्रा की जो कि एक रिकॉर्ड है। बताया जा रहा है इससे ज्यादा लोग बिना पंजीकरण के भी श्रीखंड यात्रा कर चुके हैं, जिनका प्रशासन के पास कोई आंकड़ा नहीं है। यह संख्या प्रशासनिक यात्रा के शुरू होने के बाद सबसे ज्यादा है। 11 साल में इस बार सबसे जयादा श्रद्धालु श्रीखंड गए हैं। इस बार दो सप्ताह की श्रीखंड यात्रा में ऑस्ट्रेलिया और जर्मनी के दो पर्यटक पहुंचे। इन्होंने इंटरनेट मीडिया पर वीडियो देखा था। 14 जुलाई से शुरू हुई यह यात्रा शनिवार को संपन्न हो गई। इस बार यात्रा के दौरान पांच लोगों की मौत हुई है। श्रद्धालुओं ने श्रीखंड महादेव यात्रा में करीब 32 किलोमीटर पैदल सफर कर महादेव के दर्शन किए हैं।

14 जुलाई को पहले दिन बेस कैंप सिंहगाड से सबसे ज्यादा 2193 श्रद्धालु श्रीखंड यात्रा करने गए थे। अब तक हिमाचल, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, उतर प्रदेश, मध्यप्रदेश, दिल्ली, बंगाल के तमिलनाडु आदि राज्य के श्रद्धालु यात्रा कर चुके हैं। यह यात्रा हर साल सावन माह में शुरु होती है। इसलिए इसमें खतरे की जयदा संभावना बनी रहती है। एसडीएम निरमंड मनमोहन सिंह ने बताया कि इस बार श्रीखंड महादेव की यात्रा सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है। अब यात्रा पर किसी को भी जाने की अनुमति नहीं मिलेगी। अब अगले साल ही श्रीखंड महादेव की यात्रा पर श्रद्धालु जा सकते हैं।

भारत के मिसाइल टेस्ट की निगरानी करने चीन ने भेजा जासूसी जहाज

मात्र 120 मील की दूरी से नजर रख रहा चीन

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

चीन ने अपने जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 03 को हिंद महासागर में भेजा है। चीन इस जहाज को रिसर्च जहाज बताता है। लेकिन बताया गया है कि यह जहाज जासूसी में इस्तेमाल होता है। लेकिन चीन की ओर से इस जहाज को भेजने का समय बेहद खास है। जहाज को ऐसे समय पर भेजा गया है जब भारतीय नेवी सब सरफेस फायरिंग करने वाला है। चीन का जासूसी जहाज मिसाइल फायरिंग वाले इलाके से 222 किमी की दूरी पर है। ओपन सोर्स इंटेलिजेंस रिसर्चर ने एक ग्राफिक्स शेयर कर इसकी जानकारी दी है। इसमें उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी में लगभग 595 किमी के एरिया में भारतीय नौसेना सब सरफेस फायरिंग अभ्यास करने वाला है। चीन का समुद्री रिसर्च पोत जियांग यांग होंग 03 वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में जा रहा है। यह अभ्यास वाली जगह से 120 समुद्री मील (222 किमी) दूरी पर चल रहा है। चीन ने संभवतः इसे जानकारी इकट्ठा करने के लिए भेजा होगा। इससे पहले भी जब भारत को मिसाइल लॉन्च करना था तब भी चीन ने अपने जासूसी जहाजों को भेजा था। मार्च में भारत की ओर से ओडिशा तट पर मिसाइल लॉन्च के लिए अलार्म जारी किया गया था। इसके कुछ दिनों बाद एक चीनी रिसर्च जहाज भारत के पूर्वी समुद्री तट पर पहुंच गया। इसके बाद अग्नि पांच मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था। पीएम मोदी ने एक्स पर इसकी पुष्टि की थी। तब चीन ने जियान यांग होंग-1 जासूसी जहाज को भेजा था। चीन के ये कथित रिसर्च जहाज जासूसी के लिए इस्तेमाल होते हैं। चीन का कहना है कि वह इनके जरिए समुद्र का शोध कर रहा है। लेकिन`` विशेषज्ञ चेतावनी दे चुके हैं कि इस जहाज में सैन्य ग्रेड के उपकरण लगे हो सकते हैं। यह समुद्र की

मैपिंग कर सकता हैं जो भारत के साथ युद्ध में चीनी पनडुब्बियों को फायदा पहुंचाएगा। पहले यह जहाज श्रीलंका के बंदरगाह पर रुकते थे। लेकिन भारत के विरोध के बाद श्रीलंका ने इसे अपने तट पर रुकने से मना कर दिया। भारत से तनाव के बीच मालदीव ने चीन के जासूसी जहाज को अपने तट पर रुकने दिया। अप्रैल में यह जहाज दूसरी बार मालदीव के तट पर रुका था।

हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रबंधन और न्यूनीकरण

कुलभूषण उपमन्यु

हमालय देश के लिए पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ मिटटी दे कर जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी हवा, पानी और भोजन की सुरक्षा की व्यवस्था करता है। हिमालय की इन पर्यावरणीय सेवाओं को बनाए रखकर ही देश और हिमालय क्षेत्र के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। इसलिए हिमालय के पर्यावरणीय तंत्र को सुरक्षित रखना और विकास के कार्यों में आपसी विरोधाभास समाप्त करना ही मुक्ति का मार्ग है। हमारी निर्माण गतिविधियों को वैकल्पिक तकनीकों द्वारा पर्वत विशिष्ट मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। सड़क निर्माण से लेकर जल विद्युत तक।

समग्र हिमालय की तरह हिमाचल प्रदेश भी जलवायु परिवर्तन के इस दौर में लगातार आपदाओं की चपेट में आता जा रहा है। गत वर्ष की तबाही को अभी तक प्रदेश भूल नहीं पाया है। आपदा प्रभावितों के जख्मों पर अभी तक भी पूरी तरह से मरहम नहीं लगाया जा सका है। प्रदेश की कमजोर आर्थिकी और केंद्रीय सहायता के इंतजार में बहुत काम लटका पड़ा है। खासकर जिनके मकानों के नीचे की जमीन भी क्षतिग्रस्त हो गई है, उन्हें वन संरक्षण अधिनियम के चलते वैकल्पिक जमीन देना भी असंभव बना हुआ है। हिमाचल प्रदेश का 67 प्रतिशत भूभाग वन भूमि है, जिसका भूमि उपयोग बदलना टेढ़ी खीर बना हुआ है। गत वर्ष दो हजार घर पूरी तरह से तबाह हो गए थे और नौ हजार आंशिक रूप से तबाह हुए। 400 से अधिक मूल्यवान जीवनकाल का ग्रास बन गए थे। बाढ़ और भू-स्खलन का यह दौर चाहे जलवायु परिवर्तन के चलते भयंकर स्थिति में पहुंच गया हो या अवैज्ञानिक निर्माण कार्यों के कारण, दोनों ही मामलों में ये आपदाएं मानव निर्मित ज्यादा हैं और प्राकृतिक कम।

हालांकि, हम इन्हें प्राकृतिक आपदाएं कह कर अपनी गलतियों को छुपाने की कोशिश करते रहते हैं। बाढ़ और भू-स्खलन प्राकृतिक तौर पर भी आते रहते हैं, किंतु मानव निर्मित कारणों से ये घटनाएं भयानक बन जाती हैं। जलवायु परिवर्तन भी तो मानव निर्मित आपदा ही है। पिछले डेढ़-दो सौ वर्षों की औद्योगिक क्रांति के बाद के वर्षों में वायुमंडल में हरित प्रभाव पैदा करने वाली कार्बन डाई ऑक्साइड और मीथेन जैसी गैसों के उत्सर्जन के कारण ही तो वैश्विक तापमान में वृद्धि हुई है, जो जलवायु परिवर्तन द्वारा अतिवृष्टि, अनावृष्टि और ग्लेशियरों के पिघलने का कारण बन रही है।

ग्लेशियर पिघलने के कारण हिमालय क्षेत्र में ग्लेशियर के भाग टूट कर और कुछ मलबा मिश्रण घाटियों में फंस कर कृत्रिम झीलों का निर्माण करता है। ये झीलें अचानक टूट जाती हैं और नीचे भयानक बाढ़ की विभीषिका का मंजर पेश होता है। 90 के दशक में पारछू नदी के उद्गम के नीचे बनी झील के टूटने से सतलुज नदी में आई भयानक बाढ़

ने बड़ी तबाही मचाई थी। पिछले साल हुई तबाही में कई जगह बादल फटने की घटनाएं भी कारण बनीं। जब 100 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में एक घंटे में 10 सेंटीमीटर या इससे अधिक बारिश हो जाए, तो उसे बादल फटना कहा जाता है। ये बादल फटने की घटनाएं भी वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण ही बढ़ी हैं।

अब जलवायु परिवर्तन एक सच्चाई बन चुका है। इसलिए हमें हिमालय में निर्माण कार्य इस खतरे को ध्यान में रख कर ही उचित सावधानी से करने चाहिए, क्योंकि हिमालय पर दोहरा खतरा है। एक तो जलवायु परिवर्तन के कारण अतिवृष्टि और ग्लेशियर पिघलने के कारण आने वाली बाढ़ों का खतरा बढ़ जाता है। दूसरे, हिमालय एक कम उम्र का पहाड़ है, जो अभी तक भी बन रहा है। इस कारण कमजोर और भुरभुरा है। भारी बारिश की मार न सह सकने के कारण भू-स्खलन का शिकार हो जाता है। ऐसे नाजुक भू-स्थल को जब अंधाधुंध तोड़फोड़ का शिकार बनाया जाता है, तो भू-स्खलन की तबाही आ जाती है। जब ये भू-स्खलन का मलबा नदी नालों में पंहुचता है, तो उनका तल ऊपर उठ जाता है, जिससे पानी और बाढ़ का बहाव अप्रत्याशित रूप से ऊपर तक तबाही मचा देता है। इस दृष्टि से जल विद्युत के लिए बांध, सुरंगें, चौड़ी सडकें बनाने के लिए निकला मलबा ढलानों पर फेंके जाने से तबाही को बढ़ाने का कार्य करता है। इन निर्माण कार्यों के लिए भारी मात्रा में वृक्ष कटान भी होता है, जो कमजोर भू-स्थल को और कमजोर कर देता है। खनन कार्य भी इसी तरह तबाही का कारण बनता है।

ये सभी कार्य एक ओर तो प्रकृति विध्वंस का कारण बनते हैं और दूसरी ओर सरकारी और इन निर्माण और खनन से जुड़े लोगों के लिए आय का साधन होते हैं। विकास के लिए इनका होना जरूरी माना जाता है। इस तरह जो स्थानीय जनता इस तबाही से त्रस्त होती है, वह इनका विरोध करती है और जो इससे लाभान्वित होते हैं, वे इसके पक्ष में खड़े होते हैं, जिससे समाज में आपसी टकराव भी हो जाते हैं। जैसे टिहरी बांध निर्माण के समय बांध विरोधी और बांध समर्थक दो हिस्सों में उस प्रभावित क्षेत्र की जनता बंट गई थी, जो विस्थापित हो जाते हैं, उनकी त्रसदी तो अनंत होती है और कुछ पीढ़ियों तक विस्थापन का दंश उनको झेलना पड़ता है। इस द्वंद्व में हिमालय क्षेत्र फंसा हुआ है। एक तरफ गड्ढा और एक तरफ खाई वाली स्थिति है, जिससे निकलना देश और हिमालय के स्थानीय हित के लिए जरूरी है।

हिमालय देश के लिए पानी, शुद्ध हवा, उपजाऊ मिटटी दे कर जिंदा रहने के लिए सबसे जरूरी हवा, पानी और भोजन की सुरक्षा की व्यवस्था करता है। हिमालय की इन पर्यावरणीय सेवाओं को बनाए रखकर ही देश और हिमालय क्षेत्र के भविष्य को सुरक्षित किया जा सकता है। इसलिए हिमालय के पर्यावरणीय तंत्र को सुरक्षित रखना और विकास के कार्यों में आपसी विरोधाभास समाप्त करना ही मुक्ति का मार्ग है। हमारी निर्माण गतिविधियों को वैकल्पिक तकनीकों द्वारा पर्वत विशिष्ट मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। सड़क निर्माण से लेकर जल विद्युत तक। उदाहरण के लिए सड़क निर्माण कट एंड फिल तकनीक से करके डंपिंग से होने वाले नुकसान को कम किया जा सकता है। हालांकि, पर्यटन भी ऐसे क्षेत्र के रूप में उभर रहा है, जो स्थानीय आजीविका के लिए जरूरी आधार बनता जा रहा है, किंतु इसके कारण भी पहाड़ी ढलानों पर बढ़ते बोझ और कचरा प्रदूषण के चलते इसका भी नियमन किया जाना चाहिए।

इस व्यवसाय से जुड़े कुछ संवेदनशील लोग उत्तरदायी पर्यटन की अवधारणा के विकास और लागू करने की बात कर रहे हैं। इससे पर्यावरण की सुरक्षा के साथ-साथ पर्यटन व्यवसाय का टिकाऊपन भी सुनिश्चित हो सकेगा। मंडी और कुल्लू जिलों में कुछ समूह इस दिशा में कार्यरत हैं। इन सावधानियों के साथ विकास को देखना आपदाओं को कम करने में मददगार होगा। फिर भी कुछ आपदाओं की संभावना तो बनी ही रहेगी, जिसके लिए आपदा प्रबंधन व्यवस्था को चाक-चौबंद करना होगा। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ के रूप में अच्छा कार्य हो रहा है, किंतु तत्काल राहत के लिए स्थानीय समुदायों, स्वयंसेवी संस्थाओं, महिला मंडलों, युवा मंडलों, पंचायतों को जागरूक करना और प्रशिक्षित करना होगा, ताकि जब तक प्रशिक्षित संगठन आपदा ग्रस्त स्थान पर पहुंचे तब तक तात्कालिक सहायता उपलब्ध हो सके।

(लेखक, जल-जंगल-जमीन के मुद्दों के जानकार हैं।)

संपादकीय

करों पर अधिकारा

खनिजों पर देय रॉयल्टी कोई कर नहीं है और संविधान के तहत राज्यों के पास खदानों और खनिजयुक्त भूमि पर कर लगाने का विधायी अधिकार है। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र द्वारा खदानों और खनिजों पर लगाए गए हजारों करोड़.रुपये के करों की वसूली पर फैसला दिया। झारखंड़ और ओड़िशा जैसे खनिज समृद्ध राज्यों ने इन करों की वापसी के लिए अदालत से आग्रह किया था। नौ न्यायाधीशों की खंड़पीठ ने राज्यों से इस पर लिखित दलीलें मांगी हैं। 8:1 के बहुमत के फैसले में कहा कि खनिजों पर देय रॉयल्टी नहीं है। संविधान की दूसरी सूची की प्रविष्टि 50 के अंतर्गत संसद को खनिज अधिकारों पर कर लगाने की शक्ति नहीं है। पीठ ने माना कि खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 राज्यों को खदानों तथा खनिजों पर कर लगाने से प्रतिबंधित नहीं करता। 1989 के शीर्ष अदालत के फैसले में कहा गया था कि खनिजों पर रॉयल्टी कर है। उसमें रॉयल्टी को वह भुगतान बताया गया था जो उपयोगकर्ता पक्ष बौद्धिक संपदा या अचल संपत्ति-परिसंपत्ति के मालिक को देता है। ये राज्य हजारों करोड़. की वसूली पिछली तारीख से आदलत के मार्फत करवाना चाहते हैं। सामाजिक व्यवस्था में राज्य यथासंभव सामाजिक, आर्थिक, विकास संबंधी, सुरक्षा, कानून-व्यवस्था, आरोग्यता, शिक्षा जैसे साधन मुहैया कराता है। राज्य सरकारें सभी व्ययों तथा कर निर्धारण की जिम्मेदारी निभाती हैं। राज्यों और केंद्र के दरम्यान कई बार खींचतान की स्थिति उत्पन्न होती रहती है। खासकर जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकार होती हैं, उन्हें केंद्र की नीतियों या आर्थिक मदद को लेकर सहयोगपूर्ण रवैया न रखने जैसी शिकायतें आम हैं। निःसंदेह केंद्र संविधान के तहत कानून बनाता है और राष्ट्रीय स्तर की नीतियों के विकास और कार्यान्वयन का जिम्मा उसी का होता है परंतु राज्यों के अधिकारों की पूरी तरह अनदेखी नहीं कर सकता। ओड़िशा और झारखंड़ प्रमुख खनिज उत्पादक राज्य हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं रही। इसलिए अदालत का यह फैसला उनके विकास में महत्त्वपूर्ण साबित हो सकता है।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- 'रामायण और महाभारत में क्या अंतर है?' विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- 'आप ही बताइए' अध्यापक बोला-रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है 'हक-हकूक' का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था।

महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया।

ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठा व्यक्तियों को जन्म देती है।

वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

मिसाल कायम करते झुंझुनू के जवान

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलनो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था। वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गयी लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया हैं। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतित होता हैं कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तानी कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्ध हो या 1965 व 1971 का भारत-पाक युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतू सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनो अंगो की आन की रक्षा के लिये यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता हैं।

राजस्थान में झुंझुनू जिले के नवयुवको में सेना में भर्ती होने की बहुत पुरानी परम्परा रही हैं। यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता हैं। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजो ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर ह्यशेखावाटी ब्रिगेड ह्यका गठन किया था। देश रक्षा के लिये सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। झुंझुनू जिले के वीर जवानो को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा हैं। अब तक इस जिले के कुल 130 से अधिक सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक हैं।

भारतीय सेना में योगदान के लिये झुंझुनू जिले का देश

में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 55 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 60 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्धसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की और से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुये यहां के 486 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक है। कारगिल युद्व के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुये थे जिनमें यहां के 19 सैनिक शहीद हुये थे जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 486 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं। यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं। इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धो में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त कियें हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आपरेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किये गये आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्व। सभी अभियान में यहां के सैनिको ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया हैं।

झुंझुनू जिले के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्व में वीरता के लिये देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है। परमवीर चक्र पाने वाले पीरूसिंह शेखावत देश के दूसरे व राजस्थान के पहले सैनिक थे। यहां के सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्व में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। आज भी यहां द्वितीय विश्व युद्व के पूर्व सैनिकों की विधवाओं को सरकार से पेंशन मिल रही है।

यहां के जवानो ने सेना के सर्वोच्च पदों तक पहुंच कर अपनी प्रतीभा का प्रदर्शन किया है। इस जिले के चित्तोसा गांव के एडमिरल विजय सिंह शेखावत भारतीय नो सेना के अध्यक्ष रह चुकें है। वहीं स्व. कुन्दन सिंह शेखावत थल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल व भारत सरकार के रक्षा सचिव रह चुके हैं। जे.पी.नेहरा, सत्यपाल कटेवा, लेफ्टिनेंट जनरल केके रेप्सवाल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल पद से सेवानिवृत हुये हैं। लेफ्टिनेंट जनरल बसंत कुमार रेप्सवाल सेना सेवा कोर में कार्यरत हैं। इसके अलावा यहां के काफी लोग सेना में मेजर जनरल, ब्रिगेडियर, कर्नल, मेजर सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है। देश में झुंझुनू एकमात्र ऐसा जिला हैं जहां सैनिक छावनी नहीं होने के उपरान्त भी गत पचास वर्षो से अधिक समय से सेना भर्ती कार्यालय कार्यरत है। जिससे यहां के काफी युवकों को सेना में भर्ती होने का मौका मिल पाता है।

जिले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्व के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है।

झुंझुनू जिले के दोरासर गांव में सैनिक स्कूल प्रारम्भ हो चुकी है जिसका लाभ सेना में जाने वाले यहां के युवाओं को मिलेगा। 19 साल पहले हमने करगिल तो जीत लिया था, लेकिन शहीदों के परिवारों के सामने आज भी समस्याओं के कई करगिल खड़े हैं। जिन पर जीत दर्ज करनी अभी बाकी हैं। सरकार द्वारा झुंझुनू जिले को देश का सैनिक जिला घोषित कर यहां के सैनिक परिवारों को सुविधाये उपलब्ध करवाने की तरफ पर्याप्त ध्यान दे तो आज भी झुंझुनू क्षेत्र से अनेक पीरूसिंह पैदा होकर देश के लिये प्राण न्योछावर कर सकते हैं। झुंझुनू जिले के सैनिको की बहादुरी देखकर कवि ने अपनी रचना में भी झुंझुनू के वीरो का गुणगान इस प्रकार किया है।

शुरा निपजे झुंझुनू, लिया कफन का साथ ।
रण-भूमि का लाडला, प्राण हथेली हाथ ।।

वैश्विकी: भारत-चीन संबंध-नई करवट

डॉ. दिलीप चौबे

भारत-चीन संबंधों को लेकर कूटनीतिक जगत में आजकल काफी चर्चा है। गलवान घाटी में हुए घटनाक्रम के बाद पिछले चार वर्षों में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य तैनाती जारी रही तथा कूटनीतिक नोकझोंक भी चलती रही। विवाद के कुछ क्षेत्रों में सैनिकों की वापसी हुई लेकिन अन्य मामलों में प्रगति नहीं हुई। बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य में दोनों देशों ने कुछ लचीला रुख अपनाया है जिससे आशा बंधती है कि द्विपक्षीय संबंध पटरी पर आ सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद नई सरकार देश में रोजगार सृजन और उत्पादन गतिविधियां बढ़ाने पर विशेष जोर दे रही है। इसमें चीन की भूमिका हो सकती है। सीमा विवाद के बावजूद चीन भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी संकेत दिया है कि भारत चीन से निवेश का इच्छुक है। इसे सरकार की नीति में बदलाव कहा जा सकता है। वह घरेलू और विदेशी मोर्चे पर नई परिस्थितियों का तकाजा भी हो सकता है।

रूस की ओर से भारत चीन संबंधों को सामान्य बनाने के लिए लगातार कोशिश होती रही हैं। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव राजनीति त्रिगुट (रूस-भारत-चीन) को सक्रिय बनाने की कोशिश करते रहे हैं। रूस-भारत-चीन (रिक) प्रक्रिया के तहत तीनों देश पूर्व में विचार-विमर्श करते रहे। गलवान घटनाक्रम के बाद यह प्रक्रिया बंद हो गई थी। अब इसे पुनर्जीवित करने की कोशिश हो रही है। रूस तो यह भी चाहता है कि आगामी महीनों में वहां आयोजित होने वाली ब्रिक्स शिखर वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय वार्ता आयोजित हो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में अपनी लाओस यात्रा के दौरान चीन के विदेश मंत्री वांग यी से विचार-विमर्श किया था।

संभव है कि इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी के बीच शिखर वार्ता आयोजित करने पर चर्चा हुई हो। बहुत संभव है कि शिखर वार्ता के लिए आवश्यक माहौल बनाने के सिलसिले में दोनों देश सीमाओं से सैनिक पीछे हटाने का फैसला कर लें। यदि ऐसा होता है तो शिखर वार्ता के पक्ष में जनमत अनुकूल रहेगा।

विदेश मंत्री जयशंकर यात्रा के अगले चरण में जापान में क्वाड़ विदेश मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। क्वाड़ की ऐसी बैठक काफी समय बाद हो रही है। कारण स्पष्ट है। अमेरिका और क्वाड़ के अन्य सदस्यगण यह जानते हैं कि चीन के साथ संघर्ष की स्थिति में भारत इसमें भागीदार नहीं बनेगा। विकल्प के रूप में अमेरिका ने ऑक्स (आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका) के रूप में नया गुट तैयार किया है। इसी के साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया और फिलिपींस के साथ सैन्य सहयोग बढ़क्या जा रहा है। जापान के प्रधानमंत्री फुजियो किशिदा तो एशिया में सैन्य संगठन नाटो जैसी सुरक्षा व्यवस्था कायम किए जाने के हिमायती हैं।

कुछ दिन पहले रूस और चीन के बमवर्षक युद्ध विमानों ने अमेरिका के अलास्का प्रांत के पास उड़ान भरी। इन पर निगरानी रखने के लिए अमेरिका और कनाड़ा के युद्धक विमानों ने भी उड़ान भरी। यह घटनाक्रम अमेरिका के खिलाफ रूस और चीन की सैन्य लामबंदी का द्योतक है। हाल में रूस ने उत्तर कोरिया के साथ सैन्य समझौता किया है जो दक्षिण कोरिया और जापान के लिए सीधी चुनौती है।

एशिया में बदलते हुए इस परिदृश्य ने भारत की विदेश नीति के सामने बड़ी चुनौती है। भारत और अमेरिका के संबंधों के बीच खटास आने से इसमें एक नया आयाम जुड़ गया है। यह विडंबना है कि ऐसा उस समय हो रहा है जब अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दावेदारी में भारतीय मूल की कमला हैरिस अग्रणी है। अमेरिका के राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में भारतीय मूल के लोगों का दबदबा लगातार बढ़ रहा है। यह द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक बनाए रखने के लिए सहायक सिद्ध होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

तंबाकू क्षेत्र में एफडीआई नियम और होंगे सख्त

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय तंबाकू क्षेत्र में प्रचार-प्रसार पर रोक और तस्करी पर लगाम लगाने के लिए प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) नियमों को और सख्त करने के प्रस्ताव पर विचार कर रहा है। एक अधिकारी ने कहा कि कंपनियां इस बारे में नियमों को दरकिनार करने की कोशिश कर रही हैं, जिसके मद्देनजर सरकार एफडीआई नियमों को सख्त करना चाहती है। फिलहाल तंबाकू के सिगार, चुरूट, सिगारिलो और सिगरेट के विनिर्माण में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) पर रोक है। हालांकि, तंबाकू क्षेत्र में किसी तरह के प्रौद्योगिकी सहयोग में एफडीआई की अनुमति है। इसमें फ्रेंचाइजी के लिए लाइसेंस, ट्रेडमार्क, ब्रांड नाम और प्रबंधन अनुबंध शामिल हैं। अधिकारी ने कहा कि तंबाकू में एफडीआई प्रतिबंधित है और क्षेत्र की प्रचार-प्रसार गतिविधियों को भी नियंत्रित करने की आवश्यकता है। ऐसे उत्पादों का प्रचार करके कुछ कंपनियां एक ऐसी तंत्र बनाने की कोशिश करती हैं जहां तस्करी बढ़ती है। उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने इस मुद्दे पर विभिन्न मंत्रालयों के विचार जानने के लिए एक मसौदा नोट जारी किया है। अधिकारी ने कहा कि प्रचार गतिविधियों में प्रॉक्सी विज्ञापन, विभिन्न तरीकों से ब्रांड प्रचार और ब्रांड के बारे में जागरूकता पैदा करना शामिल है। तंबाकू क्षेत्र में एफडीआई प्रतिबंधित है और इसकी प्रचार गतिविधियों पर भी रोक लगाई जानी चाहिए क्योंकि कंपनियां मानदंडों को दरकिनार करने की कोशिश कर रही हैं।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश जून तिमाही में बढ़कर 94,151 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । जून, 2024 में समाप्त तिमाही में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश पांच गुना बढ़कर 94,151 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। एक साल पहले समान तिमाही में यह आंकड़ा 18,358 करोड़ रुपये था। मजबूत आर्थिक माहौल, सरकार की अनुकूल राजकोषीय नीतियां, निवेशकों का भरोसा और शेयर बाजारों में तेजी के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड को लेकर आकर्षण बढ़ा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के अनुसार जून में उद्योग के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) 59 प्रतिशत बढ़कर 27.68 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो एक साल पहले 17.43 लाख करोड़ रुपये थीं। परिसंपत्ति आधार में मजबूत वृद्धि के साथ इक्विटी म्यूचुअल फंड के निवेशकों की संख्या भी बढ़ी है। इस दौरान निवेशक आधार तीन करोड़ बढ़ा है और फोलियो की संख्या बढ़कर 13.3 करोड़ हो गई है। स्टॉक ट्रेडिंग मंच ट्रेडजिनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि इक्विटी फोलियो की संख्या में बढ़ोतरी से पता चलता है कि विभिन्न निवेशक खंडों में भागीदारी व्यापक हो रही है। इसकी वजह वित्तीय जागरूकता तथा निवेश मंचों तक सुगम पहुंच है। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड योजनाओं में जून, 2024 को समाप्त तिमाही में 94,151 करोड़ रुपये का निवेश हुआ। अप्रैल में इन योजनाओं में 18,917 करोड़ रुपये, मई में 34,697 करोड़ रुपये और जून में 40,537 करोड़ रुपये का निवेश हुआ।

विदेशी निवेशकों ने जुलाई में 52,910 करोड़ निवेश किए

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने 26 जुलाई तक भारतीय इक्विटी और डेट में 52,910 करोड़ रुपये का निवेश किया है। नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई की ओर से इस महीने की शुरुआत से अब तक इक्विटी में 33,688 करोड़ रुपये और डेट में 19,222 करोड़ रुपये निवेश किए जा चुके हैं। इस वर्ष की शुरुआत से अब तक एफपीआई द्वारा इक्विटी में 36,888 करोड़ रुपये और डेट में 87,846 करोड़ रुपये निवेश किए जा चुके हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि भारतीय शेयर में रिटेल निवेशक लगातार खरीदारी कर रहे हैं। वहीं विदेशी निवेशक भी अब वापस लौट आए हैं, जिससे शेयर बाजार का रुख सकारात्मक बना हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार की ओर से बजट में अप्रत्यक्ष करों के नियमों को आसान बनाया गया है। बजट में शॉर्ट-टर्म कैपिटल गेन टैक्स (एसटीसीजी) को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है। वहीं, लॉन्ग-टर्म कैपिटल गेन टैक्स (एलटीसीजी) को 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12.5 प्रतिशत कर दिया गया है। पैंटोमैथ कैपिटल एडवाइजर्स की ओर से कहा गया कि कैपिटल गेन टैक्स बढ़ाने से छोटी अवधि में बाजार पर प्रभाव पड़ सकता है, लेकिन लंबी अवधि में इसका इनफ्लो पर भी कोई असर नहीं होगा। बजट में इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे अर्थव्यवस्था को बड़ा बूस्ट मिलेगा। भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 8.2 प्रतिशत थी।

शेयर बाजार में पिछले 6 वर्षों में दर्ज की सबसे बड़ी तेजी

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में बजट के बाद शानदार तेजी देखने को मिली। यह लगातार आठवां हफ्ता था, जब बाजार तेजी के साथ बंद हुआ। 22 जनवरी, 2018 के बाद यह पहला मौका है जब बाजार में इतने लंबे समय तक तेजी जारी रही। साप्ताहिक आधार पर निफ्टी में टाटा मोटर्स 13 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ इंश्योरेंस 10.6 प्रतिशत, सन फार्मा 9.3 प्रतिशत, एनटीपीसी 8.7 प्रतिशत, बीपीसीएल 8.2 प्रतिशत, टाइटन 7.2 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ 6.3 प्रतिशत और सिप्ला 6 प्रतिशत की तेजी के साथ टॉप गेनर थे। इस दौरान निफ्टी के किसी भी शेयर ने नकारात्मक रिटर्न नहीं दिया है। इंडेक्स के हिसाब से देखें तो पिछले हफ्ते निफ्टी फार्मा 5.77 प्रतिशत, निफ्टी मीडिया 5.74 प्रतिशत, निफ्टी ऑटो 5.16 प्रतिशत, निफ्टी एनर्जी 2.79 प्रतिशत और निफ्टी एफएमसीजी 2.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले सेक्टर हैं। वहीं निफ्टी बैंक 1.86 प्रतिशत, निफ्टी रियल्टी 1.69 प्रतिशत, निफ्टी फाइनेंस 1.19 प्रतिशत और निफ्टी पीएसयू बैंक 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर्स थे। शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त उछाल दर्ज किया गया। बाजार के जानकारों का कहना है कि यूएस की अर्थव्यवस्था से अप्रैल से जून के बीच 2.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जो कि पिछली तिमाही के आंकड़ों से दोगुनी है। इस कारण से ग्लोबल मांग में सुधार होने की संभावना है, जो कि बाजार के लिए सकारात्मक है। आगे बाजार की चाल तिमाही नतीजों पर निर्भर करेगी।

चालू वित्त वर्ष में कमरों की बुकिंग 85 फीसदी रह सकती है महिंद्रा होलिडेज

नई दिल्ली ।

महिंद्रा होलिडेज एंड रिजॉर्ट्स इंडिया लिमिटेड (एमएचआरआईएल) ने कहा कि उसे चालू वित्त वर्ष में कमरों की बुकिंग 85 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। कंपनी के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने कहा है कि कम अवधि की छुट्टियों की बढ़ती प्रवृत्ति के बीच हम लगातार बुकिंग की उम्मीद कर रहे हैं। कंपनी ने पहली तिमाही में अपने रिजॉर्ट्स में करीब 90 प्रतिशत की बुकिंग दर्ज की है, लेकिन दूसरी तिमाही कुछ नरम रहने की संभावना है। उन्होंने कहा कि पहली तिमाही सबसे अच्छी रही है। दूसरी तिमाही में गिरावट आएगी, तीसरी तिमाही में मांग फिर बढ़ेगी। कुल मिलाकर हम वित्त वर्ष के दौरान 85 प्रतिशत की बुकिंग की उम्मीद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अर्थव्यवस्था की वृद्धि और लोगों की खर्च करने की बढ़ती प्रवृत्ति, बेहतर हवाई और सड़क संपर्क जैसे कारक लोगों को परिवार को छुट्टियां पर ले जाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं, जिससे कमरों की बुकिंग बढ़ रही है।

एनसीसीएफ 29 जुलाई से 60 रुपए किलो बेचेगा टमाटर

नई दिल्ली । भारतीय राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) टमाटर की बढ़ती कीमतों से लोगों को राहत देने के लिए सोमवार से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र-दिल्ली क्षेत्र में 60 रुपये प्रति किलोग्राम की रियायती दर पर टमाटर बेचना शुरू करेगा। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जब उत्पादक केंद्रों में हाल ही में हुई बारिश के कारण आपूर्ति में रुकावट होने से टमाटर की कीमतों में उछाल आया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 27 जुलाई को दिल्ली में खुदरा टमाटर की कीमतें 77 रुपये प्रति किलोग्राम थीं, लेकिन गुणवत्ता और स्थानीयता के आधार पर कुछ क्षेत्रों में कीमतें 80 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक हो गई हैं। एनसीसीएफ ने बयान में कहा कि यह सुविधा 29 जुलाई, 2024 को शुरू होगी और आने वाले दिनों में धीरे-धीरे दिल्ली-एनसीआर के अन्य स्थानों तक विस्तारित होगी। संघ ने कहा कि सब्सिडी वाले टमाटर कृषि भवन, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, लोधी कॉलोनी, हौज खास, संसद मार्ग, आईएनए मार्केट और नोएडा, रोहिणी और गुरुग्राम के कई इलाकों सहित विभिन्न स्थानों पर उपलब्ध होंगे।

यूएस फेड के फैसले का शेयर बाजार पर रहेगा असर

- वैश्विक बाजार के रुझान और तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

चालू वित्त वर्ष के बजट में कैपिटल गेन टैक्स बढ़ाने से बिकवाली का दबाव बढ़ने के बावजूद सप्ताह के आखिरी दिन हुई लिवाली की वजह से बीते सप्ताह करीब एक प्रतिशत चढ़े शेयर बाजार पर इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक में ब्याज दर में कटौती को लेकर होने वाले निर्णय के साथ ही घरेलू स्तर पर वाहन बिक्री, औद्योगिक उत्पादन के आने वाले आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजे का असर रहेगा। शेयर बाजार के निवेशकों ने इस सप्ताह में बाजार की चाल पर नजर बनाई हुई है। विश्लेषकों के अनुसार शेयर बाजार की नजर यूएस फेड ब्याज दर निर्णय, चालू तिमाही आय, व्यापक आर्थिक डेटा और एफआईआई के कारोबार पर रहेगी। इसके अलावा निवेशक वैश्विक बाजार के रुझान और वैश्विक तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भी नजर बनाए रखेंगे। इस सप्ताह फोकस वैश्विक संकेतों जिसमें विशेषकर अमेरिकी बाजारों पर सबसे ज्यादा ध्यान रहेगा। अमेरिकी फेडरल रिजर्व 31 जुलाई को अपने ब्याज दर फैसले की घोषणा करने के लिए तैयार है। यह घोषणा शेयर बाजार के लिए महत्वपूर्ण होगी क्योंकि इस साल संभावित दर में कटौती की उम्मीद है। इसके अलावा अमेरिका और चीन के अन्य व्यापक आर्थिक आंकड़ों पर भी कड़ी नजर रखी जाएगी। घरेलू मोर्चे पर कंपनी द्वारा पहली तिमाही के नतीजों की घोषणा का भी असर बाजार पर पड़ेगा। इस सप्ताह गेल, अदाणी पावर, बैंक ऑफ बड़ौदा, बीएचईएल, कोल इंडिया, एमएंडएम, मारुति, टाटा स्टील, अदाणी एंटरप्राइजेज और टाटा मोटर्स तिमाही नतीजे घोषित करेंगी। घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों जैसे कि भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर आउटपुट, मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई, चीन के मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई, बीओई ब्याज दर निर्णय, अमेरिकी गैर-कृषि पेरोल और फेडरल रिजर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस आदि का असर शेयर बाजार की चाल पर पड़ेगा। बाजार विश्लेषकों का कहना है कि कंपनी द्वारा जारी तिमाही नतीजों की वजह से शेयर बाजार से पॉजिटिव रिस्पांस मिल सकता है। इसके अतिरिक्त यूएस फेड और बीओई मौद्रिक नीतियों, अमेरिकी रोजगार डेटा और यूरोजोन जीडीपी आंकड़ों सहित वैश्विक आर्थिक अपडेट से बाजार पर असर पड़ने की उम्मीद है।

दिसंबर 2026 तक शुरू होगी अदाणी समूह की पेट्रोरसायन परियोजना

नई दिल्ली ।

अदाणी समूह की चार अरब अमेरिकी डॉलर की पॉलिविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) परियोजना का पहला चरण दिसंबर, 2026 तक शुरू होने की संभावना है। पॉलिविनाइल क्लोराइड (पीवीसी)- दुनियाभर में बनाया जाने वाला तीसरा सबसे सामान्य सिंथेटिक प्लास्टिक पॉलिमर है। इसका उपयोग रेनकोट, शॉवर कर्टेन, खिड़की के फ्रेम, इनडोर प्लंबिंग के लिए पाइप, चिकित्सा उपकरण, तार और केबल इन्सुलेशन, बोतल, क्रेडिट कार्ड और फ्लोरिंग जैसे उत्पाद बनाने के लिए किया जाता है। भारत की सालाना पीवीसी मांग लगभग 40 लाख टन है लेकिन घरेलू उत्पादन क्षमता केवल 15 लाख टन है। इस वजह से मांग और आपूर्ति में काफी अंतर रहता है। खपत बढ़ने के साथ यह अंतर और बढ़ेगा। अदाणी समूह इस क्षेत्र में उतरकर लाभ उठाना चाहता है। समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज गुजरात के मुंदड़ा में एक पेट्रोरसायन 'क्लस्टर' स्थापित कर रही है। मामले की जानकारी रखने वालों ने बताया कि कंपनी का इरादा इस क्लस्टर के अंदर 20 लाख टन सालाना क्षमता वाला पीवीसी संयंत्र लगाने का है। इस संयंत्र को कई चरणों में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इसका शुरुआती चरण दिसंबर, 2026 तक चालू होने की उम्मीद है। इस दौरान संयंत्र की उत्पादन क्षमता सालाना 10 लाख टन की होगी। समूह ने पिछले साल मार्च में इस परियोजना को रोक दिया था। समूह ने कहा था कि वित्तीय संसाधन जुटने तक उसने प्रमुख उपकरण खरीद और साइट निर्माण गतिविधियों को बंद करने का फैसला किया है। इसके बाद अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च ने एक रिपोर्ट में अदाणी समूह की कंपनियों पर वित्तीय और लेखांकन धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। हालांकि, अदाणी समूह ने सभी आरोपों को खारिज कर दिया था लेकिन यह रिपोर्ट आने के बाद समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी। इसके बाद समूह ने वापसी के लिए रणनीति बनाई।

इसके तहत उसने इक्विटी के रूप में पांच अरब डॉलर और कर्ज के रूप में इससे दोगुनी राशि जुटाई। साथ ही उसने अपने कुछ कर्ज का भुगतान किया। बाजार का भरोसा फिर कायम होने के बाद अदाणी समूह ने पेट्रोरसायन संयंत्र पर काम फिर शुरू किया।

पेंट के बाद.....जूलरी मार्केट में आने को तैयार आदित्य बिड़ला ग्रुप

ग्रुप ने अपना जूलरी ब्रांड इंद्रिया लांच किया

मुंबई ।

आदित्य बिड़ला ग्रुप पेंट के बाद अब जूलरी मार्केट में आने को तैयार है। ग्रुप ने अपने जूलरी ब्रांड इंद्रिया लांच किया। इसमें ग्रुप का मुख्य मुकाबला टाटा ग्रुप के तनिष्क और रिलायंस के रिलायंस ज्वेल्स से है। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने साल की शुरुआत में पेंट बिजनस में प्रवेश किया और वह सीमेंट बिजनस में अडानी ग्रुप को कड़ी टक्कर दे रहा है। इतना ही नहीं अपनी टेलिकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया में भी नई जान फूंकने के लिए आक्रामक रुख अपना रहा है। 65 अरब डॉलर के आदित्य बिड़ला ग्रुप का मुख्य जोर मेटल, सीमेंट और कपड़ा बिजनस पर रहा है। लेकिन अब वह कंज्यूमर बिजनस में तेजी से अपना विस्तार कर रही है। ग्रुप के कुल रेवेन्यू का करीब 20 फीसदी हिस्सा इस बिजनस से आता है। ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने इंद्रिया ब्रांड को लांच कर कहा कि अगले पांच साल में हमारे रेवेन्यू में कंज्यूमर बिजनस का हिस्सा बढ़ाकर 25 प्रतिशत से अधिक बढ़कर लगभग 25 अरब डॉलर पहुंच जाएगा। आदित्य बिड़ला ग्रुप की जूलरी बिजनेस में करीब 5,000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है। समूह को उम्मीद है कि ब्रांड वैल्यू और रिटेल अनुभव के दम पर वह टॉप तीन में जगह बना सकता है।

बीते सप्ताह अधिकांश तेल-तिलहन के भाव गिरावट पर बंद हुए

उच्च आयवर्ग के उपभोक्ताओं की मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन में तेजी रही

नई दिल्ली । आम बजट से पहले देश में सूरजमुखी तेल सहित बाकी खाने के तेलों का जरूरत से कहीं अधिक आयात होने से बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरावट पर बंद हुए। वहीं आपूर्ति की कमी के बीच उच्च आयवर्ग के उपभोक्ताओं की मांग बढ़ने से मूंगफली तेल-तिलहन के दाम मजबूती के साथ बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि देश के केंद्रीय बजट में खाद्य तेलों पर आयात शुल्क बढ़ाये जाने की उम्मीद में आयातकों ने सभी खाद्य तेलों का जरूरत से अधिक आयात किया जिसकी वजह से बाकी खाद्य तेल-तिलहनों पर पहले से ही दबाव बना हुआ है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 100 रुपये घटकर 5,850-5,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 75 रुपये घटकर 11,450 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 1,865-1,965 रुपये और 1,865-1,990 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 95-90 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,475-4,495 रुपये प्रति क्विंटल और 4,285-4,410 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 100 रुपये, 125 रुपये और 150 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 10,200 रुपये, 9,950 रुपये तथा 8,500 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मांग निकलने की वजह से मूंगफली तेल-तिलहन कीमतें मजबूत रहीं। मूंगफली तिलहन 125 रुपये की तेजी के साथ 6,550-6,825 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की तेजी के साथ 15,700 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 35 रुपये की तेजी के साथ 2,350-2,650 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ।

कोल इंडिया हर शेयर पर देगी 50 फीसदी का डिविडेंड

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम (पीएसयू) कोल इंडिया अपने निवेशकों को शेयरों की फेस वैल्यू का 50 फीसदी यानी 5 रुपये डिविडेंड के रूप में देने जा रही है। कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये है। कंपनी वित्त वर्ष 2023-24 के लिए फाइनल डिविडेंड देगी। इसके लिए रिकॉर्ड डेट की घोषणा कर दी गई है। कोल इंडिया ने डिविडेंड के लिए 16 अगस्त को रिकॉर्ड डेट के रूप में तय किया है।

2 मई को कंपनी के बोर्ड ने इस डिविडेंड की सिफारिश की थी। अब अगली एजीएम में इस डिविडेंड को मंजूरी दिए जाने की उम्मीद है। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 14 साल में पहली बार भूमिगत कोयला उत्पादन में गिरावट का रुख पलट दिया है। कंपनी ने बताया कि वित्त वर्ष 2023-24 में उत्पादन 260.21 लाख टन रहा, जो इससे पिछले वित्त वर्ष के 254.87 लाख टन से 2.10 प्रतिशत अधिक है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने अपनी नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने कहा कि आधुनिक तकनीक और उपकरणों ने उत्पादन में गिरावट के रुख को पलटने में मदद की है। सीआईएल ने बड़े पैमाने पर उत्पादन तकनीक का उपयोग करके भूमिगत मशीनीकरण को बढ़ावा दिया। कोल इंडिया के शेयर बीते शुक्रवार को 3.54 फीसदी की तेजी के साथ बीएसई पर 509.45 रुपये के स्तर पर बंद हुए। पिछले एक महीने में कंपनी का शेयर 9 फीसदी बढ़ा है। वहीं 6 महीने में कोल इंडिया के शेयर ने 24 फीसदी का रिटर्न दिया है। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों ने निवेशकों का पैसा दोगुना करते हुए 122 फीसदी का रिटर्न दिया है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से 6 कंपनियों का मार्केट कैप 1,85,186.51 करोड़ बढ़ा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई । बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे कीमती कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 1,85,186.51 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। सबसे ज्यादा फायदे में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और इन्फोसिस रहीं। समीक्षाधीन सप्ताह में एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 44,907.49 करोड़ रुपये बढ़कर 7,46,602.73 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत 35,665.92 करोड़ रुपये बढ़कर 7,80,062.35 करोड़ रुपये हो गई। आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 35,363.32 करोड़ रुपये बढ़कर 6,28,042.62 करोड़ रुपये रहा। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के बाजार मूल्यांकन में 30,826.1 करोड़ रुपये का उछाल आया और यह 15,87,598.71 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 30,282.99 करोड़ रुपये बढ़कर 8,62,211.38 करोड़ रुपये हो गई। एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 8,140.69 करोड़ रुपये बढ़कर 12,30,842.03 करोड़ रुपये हो गया। इस रुख के विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 62,008.68 करोड़ रुपये घटकर 20,41,821.06 करोड़ रुपये रह गया। आईसीआईसीआई बैंक के मूल्यांकन में 28,511.07 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 8,50,020.53 करोड़ रुपये पर आ गया। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की बाजार हैसियत 23,427.1 करोड़ रुपये घटकर 7,70,149.39 करोड़ रुपये रह गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 3,500.89 करोड़ रुपये घटकर 6,37,150.41 करोड़ रुपये पर आ गया। सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

पेप्सिको इंडिया को अप्रैल-दिसंबर 2023 में 217 करोड़ का मुनाफा हुआ

नई दिल्ली ।

पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स की परिचालन आय अप्रैल-दिसंबर 2023 के दौरान 5,954.16 करोड़ रुपये और मुनाफा 217.26 करोड़ रुपये था। एक कारोबारी खुफिया मंच ने यह जानकारी दी। खु फिया मंच ने बताया कि इस दौरान कंपनी की कुल आय 6,094.70 करोड़ रुपये थी। कंपनी ने अपना वित्त वर्ष अप्रैल-मार्च से जनवरी-दिसंबर में बदल दिया है। इसलिए इसके वित्तीय आंकड़ों में 2023 की तीन तिमाहियों का ब्यौरा है। पेप्सिको इंडिया जनवरी 2024 से वित्त वर्ष के रूप में वित्त वर्ष का पालन कर रही है। उक्त नौ महीनों में घरेलू बाजार में बिक्री से कंपनी की आय 5,533.63 करोड़ रुपये थी। कंपनी की कुल आय में निर्यात ने 266.19 करोड़ रुपये का योगदान दिया।

पेप्सिको इंडिया सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध इकाई नहीं है। स्नैक्स व्यवसाय से आय 4,763.29 करोड़ रुपये रही। इसमें कुरकुरे, लेज, डोरिटोस और क्रेकर जैसे ब्रांडों शामिल हैं। पेप्सिको इंडिया की पेय पदार्थ व्यवसाय से आय नौ महीनों में 1,036.53 करोड़ रुपये रही। इसमें पेप्सिको, 7अप, स्लाइस, ट्रॉपिकाना और गेटोरेड जैसे ब्रांडों शामिल हैं। अप्रैल-दिसंबर 2023 में विज्ञापन प्रचार पर खर्च 694.52 करोड़ रुपये था। नतीजों पर पेप्सिको इंडिया के प्रवक्ता ने कहा कि कंपनी ने चुनौतीपूर्ण बाहरी वातावरण के बीच आय के मोर्चे पर लचीला प्रदर्शन दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निशानेबाज मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतकर इतिहास रचा

–भारत को पहला पदक मिला

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में रविवार को भारत का पदक का खाता खुल गया है। भारत को पहला पदक दिलाने वाली स्टार निशानेबाज मनु भाकर ने 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य जीतकर इतिहास रच दिया है। इसी के साथ निशानेबाजी में मनु इस बार कोई भी पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गई हैं। उन्होंने दूसरी बार ही ओलंपिक में हिस्सा लिया है।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने के साथ ही भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। यह मनु भाकर का दूसरा ही ओलंपिक रहा है। इससे पहले उन्होंने पिछले टोक्यो ओलंपिक 2020 में डेब्यू किया था, लेकिन 10 मीटर एयर पिस्टल क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान उनकी पिस्टल में खराबी आ गई थी, जिस कारण वो पदक नहीं जीत पायी थी पर इस बार मनु ने कोई गलती नहीं की।

भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीसरे स्थान पर रहते हुए कांस्य पदक जीता है। मनु 10 मीटर एयर पिस्टल में ओलंपिक कांस्य पदक जीतने वाली पहली भारतीय एथलीट बन गयी हैं। उन्होंने 221.7 के कुल स्कोर के साथ ही कांस्य पदक हासिल किया। वह रजत जीत के करीब पहुंच गयी थी पर अंतिम समय में कोरियाई निशानेबाज किम येजी ने बढ़त हासिल कर ली। किम ने 241.3 के स्कोर के साथ रजत पर निशाना साधाद्य। वहीं कोरिया की ही ओ ये जिन ने 243.2 के साथ रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। मनु ने मुकाबले में 10.6 शॉट से शुरुआत की। 10.9 सर्वश्रेष्ठ है जो 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के हासिल किया जा सकता है। भाकर का दूसरा शॉट 10.2 है और उनका तीसरा शॉट 9.5 पर आ गया है।

पेरिस ओलंपिक: भारत के बलराज नौकायन स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

पेरिस (एजेंसी)। भारत के बलराज पवार नौकायन के मेंस स्कल्स इवेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। बलराज इससे पहले पुरुष एकल स्कल्स हीट में चौथे स्थान पर रहे थे। हीट में बाहर होने के बाद बलराज को रेपचाज में खेलने का अवसर मिला जिसका उन्होंने पूरा लाभ उठाया। बलराज ने नौकायन के मेंस स्कल्स इवेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर एक नई उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले केवल नौकायन खिलाड़ी ही ये कारनाम कर पाये हैं। बलराज मुकाबले में चौथे स्थान पर रहे थे। उन्होंने 7꞉07.11 का समय निकालते हुए 2000 मीटर की दूरी तय की और रेपेचेज राउंड के लिए जगह पक्की की।

पुरुष एकल स्कल्स इवेंट में कुल 33 नौकायन खिलाड़ी छह अलग-अलग हीट में भाग लेते हैं। प्रत्येक इवेंट के शीर्ष तीन खिलाड़ियों को सीधे ही क्वार्टरफाइनल में खेलने का अवसर मिलता है। वहीं चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाले खिलाड़ी को क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए रेपेचेज दौर के जरिए एक और अवसर दिया जाता है।

सूर्यकुमार यादव ने विराट कोहली के इस बड़े टी20आई रिकॉर्ड की बराबरी की

पल्लेकेले (श्रीलंका) (एजेंसी)। भारत के टी20आई कप्तान सूर्यकुमार यादव ने क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में सबसे ज़्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड जीतने के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी करके रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। टी20आई क्रिकेट में गौतम गंभीर और सूर्यकुमार युग की शुरुआत जीत के साथ हुई, जब भारत ने श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज के पहले मैच में 43 रन से जीत दर्ज की। कप्तानी का भार सूर्यकुमार के लिए अपने खेलने के गतिशील अंदाज को बदलने के लिए पर्याप्त नहीं था। अपने हमेशा की तरह शानदार अंदाज और बेहतरीन शॉट चयन के साथ, भारतीय कप्तान ने शानदार पारी खेली और 223.08 की शानदार स्ट्राइक रेट से 26 गेंदों पर 58 रन बनाए। श्रृंखला में 1-0 की बढ़त लेने के बाद भारत रविवार को मेजबान टीम के खिलाफ दूसरा टी20 मैच खेलेगा।

भारत के सीरीज में एक अंक से आगे निकलने के बाद 33 वर्षीय बल्लेबाज को 69 मैचों में टी20आई प्रारूप में 16वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कोहली के रिकॉर्ड की बराबरी की, जिन्होंने अपने शानदार करियर में 125 मैचों में 16 क्क्ष्ज्ञरू पुरस्कार जीते हैं। सूर्यकुमार श्रीलंका के खिलाफ आगामी दो मैचों में उनसे आगे निकलने की कोशिश करेंगे।

जिम्बाब्वे के अनुभवी ऑलराउंडर और टी20आई कप्तान सिकंदर रजा 91 मैचों में 15 POTM पुरस्कारों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बारबाडोस में टी20 विश्व कप के फाइनल में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली टीम के लिए मैच जिताऊ पारी खेलने के बाद इस प्रारूप से संन्यास की घोषणा की। उन्होंने 59 गेंदों पर 76 रन बनाए, जिसने भारत के स्कोर को 176/7 के प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

पेरिस ओलंपिक : शरत कमल एकल से बाहर, मनिका और श्रीजा की राउंड 32 में एंट्री

पेरिस (एजेंसी)। भारत के स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी अचंता शरत कमल रविवार को यहां पेरिस ओलंपिक की पुरुष एकल प्रतियोगिता से बाहर हो गए जबकि स्टार महिला खिलाड़ी मनिका बत्रा ने राउंड 64 में अपनी प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से हराकर अपना अभियान शुरू किया। अपना पांचवा ओलंपिक खेल रहे 42 वर्षीय शरत को 53 मिनट तक चले मैच में अपने से 86 पायदान नीचे के प्रतिद्वंद्वी स्लोवेनिया के डेनी कोजुल से 2-4 (12-10 9-11 6-11 7-11 11-8 10-12) से हार का सामना करना पड़ा।

राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन और विश्व रैंकिंग में 40वें स्थान पर काबिज शरत ने पहला गेम जीता लेकिन इसके बाद अगले तीन गेम में उन्हें हार झेलनी पड़ी। यह भारतीय खिलाड़ी जब पीछे चल रहा था तब उन्होंने पांचवा गेम जीत कर स्कोर 2-3 किया लेकिन आखिर में वह विश्व में 126वें नंबर के खिलाड़ी को जीत से नहीं रोक सके। महिला एकल मैच में 29 साल की मनिका ने ब्रिटेन की अन्ना हर्से पर दबदबा बनाया। 2018 राष्ट्रमंडल खेलों की चैम्पियन और 18वीं वरीय मनिका ने 41 मिनट में हर्से को 11-8 12-10 11-9 9-11 11-5 से मात दी। इस तरह मनिका ने तोक्यो ओलंपिक की उपलब्धि की बराबरी की जिसमें वह एकल के राउंड 32 में पहुंचने वाली भारत की पहली महिला टेबल टेनिस खिलाड़ी बनी थीं।

दिल्ली की पैडलर ने 24 मिनट में 3-0 से बढ़त बना ली थी और 4-0 से जीतने की ओर बढ़ रही थी। लेकिन हर्से ने वापसी करते हुए चौथा गेम जीत लिया। पर मनिका ने अपने से निचली रैंकिंग की प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया और पांचवां गेम जीतकर मैच आसानी से जीत लिया। अब मनिका का सामना 31 जुलाई को राउंड 32 मैच में फ्रांस की 12वीं वरीय प्रीथिका पवाडे से होगा।

इससे पहले श्रीजा अकुला ने स्वीडन की क्रिस्टीना कल्बर्ग पर 4-0 की शानदार जीत के साथ राउंड ऑफ 32 में प्रवेश किया। डब्ल्यूटीटी कंटेंडर एकल खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनकर इतिहास रचने वाली श्रीजा ने स्वीडन की खिलाड़ी को 30 मिनट में 11-4, 11-9, 11-7, 11-8 से पराजित किया। भारतीय खिलाड़ी को पहला गेम जीतने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन अगले तीन गेम में उन्हें थोड़ा संघर्ष करना पड़ा। तीसरे गेम में एक समय स्कोर 7-5 था लेकिन इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने शानदार खेल दिखाकर कल्बर्ग को कोई मौका नहीं दिया।

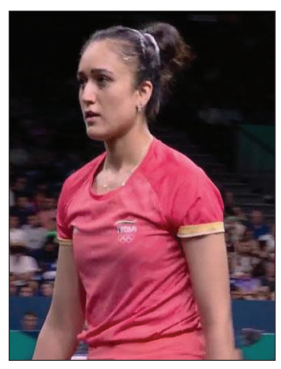

श्रीजा ने चौथे गेम में शुरू में अच्छा प्रदर्शन किया और एक समय वह 9-3 से आगे थी। भारतीय खिलाड़ी ने उसके बाद कुछ गलतियां की जिसका फायदा उठाकर कल्बर्ग ने स्कोर पहले 9-7 और फिर 10-8 कर दिया। श्रीजा ने हालांकि इसके बाद करारा शॉट जमा कर अगले दौर में प्रवेश किया।

पेरिस ओलंपिक में सिंधु की जीत से शुरुआत, मालदीव की फथीमथ को पहले दौर में हराया

पेरिस । भारत की महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने पेरिस ओलंपिक में जीत से शुरुआत की है। सिंधु ने महिला एकल बैडमिंटन में मालदीव की खिलाड़ी को हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया है। अपने तीसरे ओलंपिक पदक के लिए उतरी सिंधु ने एकल के ग्रुप एम में मालदीव की फथीमथ नब्बाह अब्दुल रज्जाक को आसानी से 21–9, 21–6 से हराया। इस मुकाबले में सिंधु ने पहला गेम 21–9 से जबकि दूसरा गेम 21–6 से जीता। सिंधु ने 27 मिनट में ही मुकाबला जीत लिया। सिंधु ने पहला अंक हासिल करके इस मैच में बढ़त बनानी शुरु की। इसके बाद अंकों का अंतर बढ़कर 10 अंक तक पहुंच गया। वहीं रज्जाक के 4 अंक थ। सिंधु ने अंकों का अंतर 15–5 तक पहुंचा कर इस गेम को 21–9 के बड़े अंतर से जीत लिया। पहला गेम आसानी से जीतने के बाद सिंधु ने दूसरे गेम में भी बढ़त बनायी। वह मालदीव की खिलाड़ी के खिलाफ 4–0 से आगे निकली हालांकि उनकी विरोधी ने भी 3 अंक हासिल कर वापसी के प्रयास किये और स्कोर 3–5 तक पहुंचा दिया। सिंधु ने इसके बाद जबरदस्त प्रदर्शन कर स्कोर 10–3 करके एक बार फिर बड़ी बढ़त हासिल कर ली। 21–6 के अंतर से दूसरा गेम सिंधु ने जीत लिया। सिंधु ने मालदीव की रज्जाक के खिलाफ बेहद आसानी से पहला मैच जीता।

पेरिस ओलंपिक : मुक्केबाज निखत जरीन ने प्री क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

पेरिस। भारतीय महिला मुक्केबाज निखत जरीन ने रविवार को पेरिस ओलंपिक खेलों में जर्मनी की मैक्सी करीना क्लोएट्ज़र पर 5–0 की जीत दर्ज करते हुए महिलाओं के 50 किग्रा स्पर्धा के प्री–क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। राउंड ऑफ 32 में मुकाबले की शुरूआत में जर्मनी की मुक्केबाज निखत पर हमलावर रही। हालांकि इस दौरान भारतीय मुक्केबाज ने भी कुछ जोरदार पंच लगाए लेकिन पहले राउंड के बाद जजों का फैसला 3꞉2 से क्लोएट्ज़र के पक्ष में रहा। निखत ने दूसरे राउंड के शुरुआती सेकेंड से ही हमलावर रुख अख्तियार किया। नियमों को न मानने के लिए दोनों मुक्केबाजों के एक–एक अंक काटे गए, लेकिन निखत ने मैच को अपने पक्ष में कर लिया और दूसरे राउंड में सर्वसम्मत जीत हासिल कर की। दो बार की विश्व चैंपियन तीसरे राउंड में भी हावी रही शुरुआती दो मिनट के बाद वापसी करते हुए निखत ने जीत दर्ज की। निखत का मुकाबला अब एक अगस्त को प्री क्वार्टर फाइनल में चीन की शीर्ष वरीयता प्राप्त वू यू से होगा। उल्लेखनीय है कि वू यू 52 किग्रा में मौजूदा विश्व चैंपियन हैं और एशियाई खेल 2023 में स्वर्ण पदक जीता था। भारतीय पुरुष मुक्केबाज अमित पंघाल का मुकाबला (51 किग्रा) में 30 जुलाई को जाम्बिया के पैट्रिक चिनेम्बा से होगा वहीं महिला मुक्केबाज जैस्मीन लेम्बोरिया 57 किग्रा वर्ग में टोक्यो 2020 की रजत पदक विजेता फिलीपींस की नेस्टी पेटेसियो से मुकाबला करेगी।

ओलंपिक में पहुंचे खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ा रहा बालीवुड

मुंबई । पेरिस ओलंपिक का शानदार आगाज हो चुका है। इस मौके पर बॉलीवुड सितारों ने भारतीय एथलीटों को हौसला बढ़ाया। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने अपने सोशल मीडिया पर एथलीट्स के लिए वीडियो शेयर किया। वीडियो में बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और टेबल टेनिस दिग्गज शरत कमल नजर आ रही है, जिन्होंने ओपनिंग सेरेमनी की परेड के दौरान ध्वजवाहक के रूप में भारतीय टीम का नेतृत्व किया। वहीं अभिनेता अजय देवगन ने पोस्ट किया, सभी भारतीय एथलीटों के लिए.... आप हमारे देश का गौरव हैं। आप जो भी करते हैं, बेस्ट करते हैं। निश्चिंत रहें कि हम आपका खेल पूरे उत्साह के साथ देखने वाले है। चीयर्स एंड गुड लक! अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर ओलंपिक में भारतीय एथलीटों की एक तस्वीर शेयर की और लिखा, टीम इंडिया के लिए उत्साह। आलिया भट्ट ने भी एक तस्वीर पोस्ट कर लिखा, आगे बढ़ो टीम इंडिया। अभिनेता कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन के अपने किरदार मुरलीकांत पेटकर की तस्वीर शेयर कर नोट में लिखा, पेरिस ओलंपिक 2024 में हमारे देश का प्रतिनिधित्व करने वाले एथलीटों को शुभकामनाएं। चंदू चैंपियन में एक एथलीट की भूमिका निभाना एक अविश्वसनीय अनुभव और सम्मान रहा है।

श्रीलंका ने पहली बार जीता महिला एशिया कप का खिताब, फाइनल में भारत को दी मात

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंका ने चमारि अथापत्थु और हर्षिता समरविक्रमा की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत भारत के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज करते हुए पहली बार महिला एशिया कप का खिताब अपने नाम किया। स्मृति मंधाना (60) और ऋचा घोष (30) की आतिशी बल्लेबाजी के दम पर भारत ने रविवार को महिला एशिया कप के फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को जीत के लिए 166 रनों का लक्ष्य दिया। इसके जवाब में श्रीलंका ने 18.4 ओवर में 167/2 के स्कोर के साथ खिताबी जीत अपने नाम की। अथापत्थु ने 43 गेंदों पर 9 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 61 और समरविक्रमा ने 51 गेंदों पर 6 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 69 रन की पारी खेली। इसके अलावा कविशा दिलहारी ने 16 गेंदों पर 1 चौके और 2 छक्कों की मदद से 30 रन बनाकर जीत में अपना योगदान दिया। आज यहां भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी शेफाली वर्मा और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 44 रन जोड़े। सातवें ओवर में कविशा दिलहारी ने शेफाली वर्मा (16) को आउटकर श्रीलंका को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद नौवें ओवर में उमा छेत्री (9) रन बनाकर पवेलियन लौट गई।

कप्तान हरमनप्रीत कौर (11) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (29) रन बनाकर आउट हुई। स्मृति मंधाना ने 47 गेंदों में 10 चौके लगाते हुये (60) रनों की पारी खेली। ऋचा घोष ने 14 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुये (30) रन बनाये। पूजा वस्त्रकर (5) और राधा यादव (1) रन बनाकर नाबाद रही। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 165 का स्कोर खड़ा किया। श्रीलंका की ओर से कविशा दिलहारी ने दो विकेट लिये। उदेशिका प्रबोधनी, सचिनी निसांसला और चमारी अट्टापटू ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

नाइजीरियाई मुक्केबाज डोपिंग के कारण ओलंपिक से निलंबित, सोमवार को खेलना था पहला मुकाबला

पेरिस ꞉ नाइजीरिया की मुक्केबाज सिंथिया ओगुनसेमिलोर को प्रतिबंधित डोपिंग पदार्थ के सेवन का दोषी पाए जाने के बाद पेरिस ओलंपिक खेलों से बाहर कर दिया गया है। अंतरराष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी के अनुसार अफ्रीकी खेलों की लाइटवेट चैंपियन ओगुनसेमिलोर का गुरुवार को परीक्षण किया गया था और उनके मूत्र में फ़्यूरोसेमाइड पाया गया है। फ़्यूरोसेमाइड एक मास्किंग एजेंट है जो अन्य दवाओं की उपस्थिति को छिपा सकता है। एजेंसी के अनुसार ओगुनसेमिलोर को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है और वह ओलंपिक में भाग नहीं ले सकती हैं। इस 22 वर्षीय मुक्केबाज को 60 किग्रा भार वर्ग में चौथी वरीयता दी गई थी तथा उन्हें अपना पहला मुकाबला सोमवार को खेलना था। ओगुनसेमिलोर ने पिछले साल अपने वजन वर्ग में अफ्रीकी खेलों का खिताब जीता था। उन्होंने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में कांस्य पदक जीता था। वह डोपिंग के कारण पेरिस ओलंपिक से बाहर होने वाली दूसरी खिलाड़ी हैं। इससे पहले शुक्रवार को इराकी जुडोका सज्जाद सेहेन का परीक्षण पॉजिटिव पाया गया था।

अर्जुन बबूता 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचे

शेटराउ (फ्रांस) (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाज अर्जुन बबूता ने रविवार को यहां क्वालीफिकेशन में सातवें स्थान पर रहते हुए पेरिस ओलंपिक खेलों की पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल में जगह बनाई।

25 साल के बबूता ने 105.7, 104.9, 105.5, 105.4, 104.0 और 104.6 अंक की सीरीज के साथ कुल 630.1 अंक जुटाए। बबूता सोमवार को आठ निशानेबाजों के फाइनल में पदक के लिए चुनौती पेश करेंगे। वह शनिवार को रमिता जिंदल के साथ मिश्रित टीम फाइनल में जगह बनाने से चूक गए थे। भारतीय जोड़ी क्वालीफिकेशन में छठे स्थान पर रही थी।

वर्ष 2016 से राष्ट्रीय टीम में शामिल चंडीगढ़ के बबूता ने पिछले साल चांगवोन में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप के जरिए ओलंपिक कोटा हासिल किया था। सेना के संदीप सिंह इसी स्पर्धा में 629.3 अंक के साथ 12वें स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाने से चूक गए। संदीप का इसके साथ ही पेरिस खेलों में अभियान खत्म हो गया। उन्होंने अप्रैल-मई में हुए चयन ट्रायल में विश्व चैंपियन रुद्रांक्ष पाटिल को पछाड़कर पहली बार ओलंपिक में खेलने का हक पाया था। चीन के शेंग लिहाओ 631.7 अंक के साथ क्वालीफाइंग दौर में शीर्ष पर रहे।

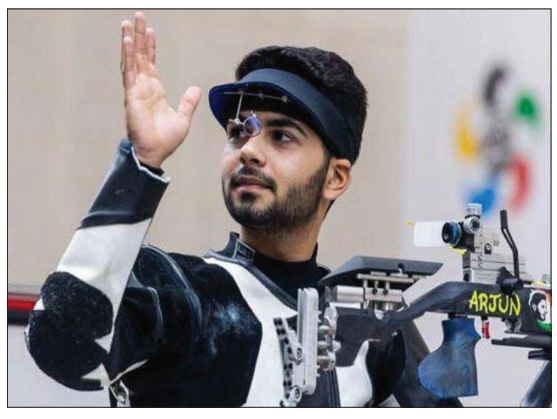

पेरिस ओलंपिक : भारतीय निशानेबाज रमिता 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में पहुंची, इलावेनिल बाहर हुई

पेरिस । भारतीय महिला निशानेबाज रमिता जिंदल ने ओलिंपिक में शानदार प्रदर्शन करते हुए 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में प्रवेश किया है। रमिता ने इस मुकाबले की शुरुआत में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। वह क्वालीफिकेशन दौर में पांचवें स्थान पर रहीं थीं। अब फाइनल में रमिता सोमवार को खिताबी मुकाबले में उतरेंगी। फाइनल में रमिता का लक्ष्य देश के लिए स्वर्ण जीतना रहेगा। रमिता 60 शॉट के क्वालिफाइंग रांउड में कुल 631.5 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। रमिता ने पहली सीरीज में 104.3, दूसरी में 106.0, तीसरी में 104.9, चौथी में 105.3, पांचवीं में भी 105.3 और छठी सीरीज में 105.7 अंक हासिल किए। वहीं भारत की ही इलावेनिल 10वें स्थान पर रहने के कारण फाइनल में नहीं पहुंच पाई। एलावेनिल शीर्ष–5 में बनी हुईं थी। कुछ समय के लिए तो वह शीर्ष पर भी थी पर अंतिम सीरीज में वह पीछे हो गयी। 59वें शॉट में एलावेनिल ने केवल 9.8 का स्कोर किया। इसी से वह शीर्ष–8 से बाहर हो गईं। अंत में उन्होंने 10.1 का स्कोर किया। एलावेनिल और 8वें नंबर की निशानेबाज में केवल 0.5 के स्कोर का अंत रहा।

ऋषभ पंत ने तोड़ा दिनेश कार्तिक का 6 साल पुराना रिकॉर्ड

दांबुला (एजेंसी)। श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अच्छी पारी खेली और 33 गेंदों पर एक छक्का और 6 चौकों की मदद से 49 रन की पारी खेली। इस मैच में वह सिर्फ एक रन से अपना अर्धशतक पूरा करने से चूक गए, लेकिन उन्होंने दिनेश कार्तिक का 6 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया तो वहीं विराट कोहली, एमएस धोनी और ऋतुराज गायकवाड़ की इस खास लिस्ट में शामिल हो गए हैं।

पंत ने तोड़ा दिनेश कार्तिक का रिकॉर्ड

ऋषभ पंत ने श्रीलंका के खिलाफ 49 रन की पारी खेली और अब वो श्रीलंका में टी20 में बतौर विकेटकीपर भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। इससे पहले ये रिकॉर्ड दिनेश कार्तिक के नाम पर दर्ज था जिन्होंने साल 2018 में बतौर विकेटकीपर भारत के लिए नाबाद 39 रन की पारी खेली थी। अब 6 साल के बाद पंत ने 49 रन की पारी खेलकर दिनेश कार्तिक के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

पंत ने पहली बार टी20 में 49 रन की पारी खेली और आउट हो गए। टी20 में 49 रन के स्कोर पर आउट होने वाले वो चौथे भारतीय बल्लेबाज बन गए। पंत से पहले भारत की तरफ से टी20 में 49 के स्कोर पर विराट कोहली, एमएस धोनी और ऋतुराज गायकवाड़ आउट हो चुके हैं। अब पंत भी इन दिग्गजों की लिस्ट में शामिल हो चुके हैं।

पेरिस ओलंपिक ꞉ प्रीति प्री–क्वार्टर फाइनल में पहुंची

पेरिस । भारतीय महिला मुक्केबाज प्रीति पवार पेरिस ओलंपिक के प्री–क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं हैं। प्रीति ने 54 किग्रा भार वर्ग में पहले दौर के मुकाबले में वियतनाम की वो थी किम अन्ह को 5–0 से हरा दिया। अब दूसरे दौर में उनका सामना दूसरी वरीयता प्राप्त कोलंबिया की येनी एरियास से होगा। वियतनामी मुक्केबाज के खिलाफ मुकाबले में प्रीति हावी रहीं। शुरुआत में उन्हें कुछ मुश्किल हुई पर एक बार लय मिलने पर प्रीति ने जमकर हमला बोला। इस मुक्केबाज ने पिछले साल हांगझाऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता और अपनी पहली विश्व चैम्पियनशिप में भी भाग लिया था। अब उनका लक्ष्य ओलंपिक पदक जीतना रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कामिका एकादशी के दिन करें ये उपाय, हर कामना होगी पूरी

पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है।

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार की पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा करने से सभी कामनाओं की पूर्ति होती है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में भी बताया गया है कि इस एकादशी के अवसर पर कुछ ज्योतिष उपाय जरूर करने चाहिए जिससे आप अनेकों लाभ पा सकते हैं। ऐसे में ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स से आइये जानते हैं कामिका एकादशी के उपायों के बारे में विस्तार से।

धन लाभ के उपाय

कामिका एकादशी के दिन 5 कौड़ियां लें और उन कौड़ियों को लाला कपड़े में बांधकर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी के सामने अर्पित करें। फिर इसके बाद कौड़ियों को घर की तिजोरी में रख दें। इससे धन लाभ के योग बनेंगे और आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

कामना पूर्ति के उपाय

भगवान विष्णु के बीज मंत्र ऊँ नमो: नारायणाय नम: का 108 बार संकल्प के साथ कामिका एकादशी के दिन जाप करें। संकल्प के साथ इस मंत्र का जाप करने से भगवान विष्णु की कृपा होगी और आपकी इच्छाएं पूरी हो जाएंगी। आपके काम बनने लग जाएंगे।

वैवाहिक जीवन के उपाय

गुलाब या कमल के 2 फूल लेकर उन्हें कलावे से बांधें और उसमें 7 गांठ लगाएं। फिर उस गुलाब या कमल के जोड़े को भगवान विष्णु के चरणों में रखें। इससे आपके वैवाहिक जीवन का क्लेश दूर होगा। पति-पत्नी के बीच रिश्ता मधुर बनेगा और संतान प्राप्ति के योग बनेंगे।

ग्रह दोष मुक्ति के उपाय

कामिका एकादशी के दिन पीले रेशमी कपड़े में 9 सुपारी रखें और उन सुपारियों पर अक्षत एवं रोली लगाएं। इसके बाद गांठ बांधकर घर की पूर्व दिशा में टांग दें। इससे ग्रह दोष दूर होगा। ग्रह शांत होकर कृपा बरसाएंगे और ग्रहों द्वारा आपको शुभ परिणाम नजर आएंगे।

सावन की पहली एकादशी कामिका एकादशी कब है, पूजा का शुभ मुहूर्त और महत्व

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि का विशेष महत्व है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। ऐसा करने से व्यक्ति के सौभाग्य में वृद्धि हो सकती है। साथ ही व्यक्ति के जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती है।

पंचांग के हिसाब से हर साल सावन माह के कृष्ण पक्ष की दशमी तिथि के अगले दिन कामिका एकादशी मनाने की परंपरा है। यह एकादशी तिथि भगवान विष्णु को समर्पित है। इस दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा विधिवत रूप से करने का विधान है। इस दिन व्रत रखने से व्यक्ति को समस्त पापों से छुटकारा मिल जाता है। साथ ही सभी मनोकामनाएं सिद्ध हो जाती है। अब ऐसे में सावन की पहली एकादशी यानी कि कामिका एकादशी कब पड़ रही है, शुभ मुहूर्त क्या है और एकादशी तिथि का महत्व क्या है। इसके बारे में ज्योतिषाचार्य पंडित अरविंद त्रिपाठी से विस्तार से जानते हैं।

कामिका एकादशी कब है

हिंदू पंचांग के अनुसार सावन माह के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 30 जुलाई को संध्याकाल 04 बजकर 44 मिनट से शुरू होगी और अगले दिन यानी कि 31 जुलाई को संध्याकाल 03 बजकर 55 मिनट पर समाप्त होगी। बता दें, हिंदू धर्म में व्रत और त्योहार के लिए सूर्योदय के बाद से तिथि की गणना की जाती है। इसलिए तिथि के हिसाब से 31 जुलाई को सावन माह की पहली एकादशी मनाई जाएगी।

पूजा का शुभ मुहूर्त क्या है?

शास्त्र के हिसाब से भगवान विष्णु की पूजा प्रात- काल में करने की मान्यता है। इसलिए साधक 31 जुलाई को सुबह 05.32 से सुबह 07.23 मिनट के बीच भगवान विष्णु की पूजा-पाठ विधिवत रूप से कर सकते हैं। इससे व्यक्ति को उत्तम फलों की प्राप्ति हो सकती है।

कामिका एकादशी के बन रहे हैं शुभ योग

कामिका एकादशी के दिन ध्रुव योग बन रहा है। यह योग दोपहर 02 बजकर 14 मिनट तक है। ज्योतिष शास्त्र में ध्रुव योग को बेहद शुभ माना जाता है। इस योग में भगवान विष्णु की पूजा करने से साधकों को मनोवांछित फलों की प्राप्ति हो सकती है। साथ ही शुभ कार्यों में सिद्धि प्राप्त होती है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का भी संयोग बन रहा है। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन भर है।

कामिका एकादशी का महत्व क्या है?

कामिका एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। उसे सभी पापों से छुटकारा मिल सकता है। इस व्रत को करने से जीवन के समस्त कष्टों से मुक्ति मिलती है। इस व्रत को करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है और मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। बता दे, सावन के महीने में यह एकादशी व्रत पड़ता है। जिसका कारण इस एकादशी का महत्व अधिक बढ़ जाता है। इस एकादशी तिथि के दिन भगवान विष्णु के साथ-साथ भगवान

शिव का आराधना करने से हर बिगड़े काम बन जाते हैं।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लगाएं ये भोग, घर में बनी रहेगी बरकत

हिन्दू धर्म में एकादशी तिथि का बहुत महत्व माना जाता है। पंचांग के अनुसार, साल में कुल 24 एकादशी तिथियां पड़ती हैं। इन्हीं में से एक है श्रावण माह के कृष्ण पक्ष की कामिका एकादशी जो इस बार 31 जुलाई, दिन बुधवार को पड़ रही है। कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की पूजा का विधान है। मान्यता है कि सावन में आने के कारण इस एकादशी का महत्व और भी बढ़ जाता है। भगवान शिव ही इस एकादशी का फल प्रदान करते हैं। ज्योतिषाचार्य राधाकांत वत्स ने हमें बताया कि सावन की कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु की जो भी पूजा हम करते हैं वो भगवान शिव के भाग में जाती है, उसे भगवान शिव स्वीकार करते हैं। ठीक ऐसे ही भगवान विष्णु को लगाया भोग भी शिव जी द्वारा सी ग्रहण किया जाता है। ऐसे में आइये जानते हैं कि कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को कौन सी चीजों का भोग लगाना चाहिए और क्या है उससे मिलने वाले अद्भुत लाभ।

कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को लड्डुओं का भोग लगाना चाहिए। बेसन या बूंदी से बने लड्डू भगवान विष्णु को प्रिय हैं। इसके अलावा, भगवान विष्णु को खीर का भोग लगाना भी शुभ माना जाता है। हालांकि एकादशी के दिन चावल का प्रयोग वर्जित माना गया है। ऐसे में मखाने की खीर का भोग लगा सकते हैं या फिर आप चाहें तो मखानों को भून कर भी भोग में भगवान विष्णु को अर्पित कर सकते हैं। भगवान विष्णु को कामिका एकादशी के दिन मालपुए या घेवर का भोग भी लगाया जा सकता है। ऐसा माना जाता है कि जब भी कोई नया मौसम शुरु होता है तो उस मौसम के फल या मिठाई का भोग अवश्य लगाना चाहिए। अभी घेवर का समय चल रहा है। ऐसे में आप कामिका एकादशी के दिन भगवान विष्णु को घेवर का भोग लगा सकते हैं। साथ ही, मालपुए का भोग भी भगवान विष्णु को चढ़ा सकते हैं। मालपुआ श्री हरि को प्रिय है।

सावन में कांवड़ का है विशेष महत्व, कितने तरह की होती है ये यात्रा

सावन मास के प्रारंभ होने के साथ-साथ कांवड़ यात्रा भी शुरू हो जाती है। कांवड़ यात्रा में कांवड़िया गंगा नदी में स्नान कर लोटे में जल भरकर से शिव मंदिर में सावन शिवरात्रि के दिन अभिषेक करते हैं। कांवड़िया भगवान शिव से प्रार्थना कर आशीर्वाद मांगते हैं, इस कांवड़ यात्रा को लेकर यह मान्यता है कि भगवान शिव कांवड़िया की सभी इच्छाएं पूरी करते हैं।

कितने प्रकार की होती है कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा

सामान्य कांवड़ यात्रा में शिव भक्त चलते-चलते जब थक जाते हैं तो बीच-बीच में आराम कर सकते हैं। आराम के दौरान कांवड़ियों को इस बात का खास ध्यान देना पड़ता है कि कांवड़ बीच में जमीन पर न रखें। कांवड़िया अपने साथ स्टैंड लेकर चलते हैं, साथ ही वे कांवड़ को किसी पेड़ की डाल पर भी टांग देते हैं।

डाक कांवड़ यात्रा

डाक कांवड़ यात्रा में कांवड़िया विश्राम नहीं करता है। जब वह पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है तब वह सीधा मंदिर में जाकर रुकता है। डाक कांवड़ यात्रा करने वाले कांवड़िया बीच में किसी भी चीज के लिए नहीं रुकते और उनकी यात्रा को सरल बनाने के लिए मार्ग में कई तरह की उचित व्यवस्था की जाती है।

खड़ी कांवड़ यात्रा

खड़ी कांवड़ यात्रा में साधक कांवड़ लेकर चलते हैं। इस खड़ी कांवड़ यात्रा में 2-3 लोग साथ में चलते हैं, जिसमें एक के थकने पर दूसरे लोग कांवड़ लेकर साधक की यात्रा पूरी करने में सहायता करते हैं।

दांडी कांवड़ यात्रा

कांवड़ यात्रा के सभी प्रकारों में दांडी कांवड़ यात्रा सबसे कठिन मानी गई है। इस दांडी कांवड़ यात्रा में कांवड़िया पवित्र नदी से स्नान कर जल भरता है और मंदिर तक दंडवती करते हुए पहुंचता है। इस यात्रा में सबसे ज्यादा समय लगता है।

कौन सी कांवड़ यात्रा है सबसे सरल और सबसे कठिन

सबसे सरल की बात करें तो सामान्य कांवड़ यात्रा सबसे सरल है। इस यात्रा में कांवड़िया बीच-बीच में कांवड़ को स्टैंड पर रखकर आराम कर सकता है। वहीं दांडी कांवड़िया कांवड़ यात्रा के सभी प्रकार में सबसे ज्यादा कठिन है। इस कांवड़ यात्रा में कांवड़िया दंडवती करते हुए भगवान शिव को कांवड़ का जल अर्पित करता है।

यात्रा के दौरान कांवड़ को जमीन में क्यों नहीं रखना चाहिए?

सावन मास में कांवड़ यात्रा का विशेष महत्व है, इस माह में कांवड़िया कांवड़ में जल भरकर शिव जी का अभिषेक करते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि कांवड़ को जमीन पर क्यों नहीं रखते? कांवड़ को जमीन में नहीं रखने के पीछे एक धार्मिक मान्यता है। इस मान्यता के अनुसार कांवड़ियों का मानना है कि कांवड़ भगवान शिव का स्वरूप है, जिसे कभी भी जमीन में रखकर उसका अपमान नहीं करना चाहते हैं। इसके अलावा कांवड़ में भरा हुआ जल भगवान शिव को चढ़ता है, ऐसे में कांवड़िया जमीन पर रखे हुए जल को भगवान शिव के ऊपर नहीं चढ़ाते हैं। जिस मार्ग में कांवड़िया विश्राम के लिए रुकते हैं, उस स्थान में कावड़िया स्टैंड या पेड़ पर कांवड़ को रखते हैं, ताकि कांवड़ जमीन को स्पर्श न हो।

सावन में रुद्राभिषेक के लिए पांच दिन हैं उत्तम... राहु, केतु और शनि भी हो जाएंगे शांत

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है। सावन महीने की शुरुआत हो चुकी है। यह माह 22 जुलाई से शुरू होकर 19 अगस्त तक चलने वाला है। इस पूरे महीने शिवालयों में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिलती है। कहा जाता है कि इस माह भगवान शिव को प्रसन्न करना आसान होता है। सावन के महीने में कांवड़ यात्रा भी निकाली जाती है। कांवड़ यात्री पवित्र नदियों से जल भरकर अपने कांवड़ में लाते हैं और अपने आसपास के शिवालयों में शिवलिंग का अभिषेक करते हैं।

रुद्राभिषेक करने की सही तिथि

सावन में रुद्राभिषेक का खास महत्व होता है। लेकिन किस दिन रुद्राभिषेक किया जाना चाहिए, इसे लेकर कन्फ्यूजन बना रहता है। आइए, जानते हैं कि सावन में रुद्राभिषेक के लिए उत्तम दिन कौन-सा है। सावन के महीने में रुद्राभिषेक करने से भगवान शिव प्रसन्न होते हैं। शिवलिंग का अभिषेक तो किया ही जाता है, लेकिन रुद्राभिषेक करने के खास महत्व होता है। कहा जाता है कि इससे जीवन में चल रही परेशानियां दूर हो जाती हैं। इस बार सावन के महीने में ऐसी कई शुभ तिथियां आने वाली हैं, जिस दिन रुद्राभिषेक किया जा सकता है।

सावन में इस दिन करें रुद्राभिषेक

सावन शिवरात्रि का दिन भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लिए काफी खास माना जाता है। इस दिन व्रत रखना चाहिए। इस दिन शिव जी की विधि-विधान से पूजा करनी चाहिए। इस साल 2 अगस्त 2024 को सावन शिवरात्रि पड़ रही है।सावन माह की शिवरात्रि और सोमवार के साथ-साथ नागपंचमी पर भी रुद्राभिषेक करने से शुभ फलों की प्राप्ति होती है। इस दिन रुद्राभिषेक करना बहुत शुभ माना जाता है।

इस साल सावन मास में नागपंचमी पर्व 9 अगस्त 2024 को मनाया जाने वाला है।

सावन सोमवार का दिन भी रुद्राभिषेक के लिए उत्तम होता है। इस बार सावन का दूसरा सोमवार 29 जुलाई को पड़ रहा है। सावन का तीसरा सोमवार 5 अगस्त, चौथा सोमवार 12 अगस्त और पांचवां सोमवार 19 अगस्त को पड़ रहा है।

शास्त्रों में मिलता है रुद्राभिषेक का वर्णन

इन सभी तिथियों पर शिवजी का रुद्राभिषेक करने से जीवन में शुभ परिणाम प्राप्त होते हैं। साथ ही कोई बड़ी सफलता प्राप्त होती है। ऐसे परिवार पर हमेशा भगवान शिव की कृपा बनी रहती है। कहा जाता है कि रुद्राभिषेक करने से रोगों से छुटकारा मिलता है। इतना ही नहीं, इससे सभी मनोकामनाएं भी पूरी होती हैं। यदि आप सावन शिवरात्रि, सावन सोमवार या सावन प्रदोष के दिन रुद्राभिषेक विधि-विधान से करेंगे, तो आपको चमत्कारिक बदलाव देखने को मिलेंगे। शास्त्रों में रुद्राभिषेक को शिव जी को प्रसन्न करने का रामबाण उपाय बताया गया है भगवान शंकर के प्रिय माह सावन में शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से कई विपदाओं से मुक्ति मिलती है। रुद्राभिषेक करने से उत्तम फलों की प्राप्ति होती है। शास्त्रों में भी रुद्राभिषेक का वर्णन किया गया है। रुद्राभिषेक करने से घर में शांति बनी रहती है और ग्रहों का बुरा प्रभाव भी कम होता है।

नासा के पास धरती को एस्टेरॉयड्स से बचाने की योजना तैयार

-अमेरिकी एजेंसी बताया 10-वर्षीय रणनीति के बारे में

वाशिंगटन। नासा के पास धरती को एस्टेरॉयड्स और कॉमेट से बचाने की योजना तैयार है। लेकिन यह एक ऐसा खतरा है जिसे मानवता ने अंतत: गंभीरता से लेना शुरू कर दिया है और इस पर ध्यान दिया जा रहा है। डबल एस्टेरॉयड्स रिडायरेक्शन टेस्ट (डीएआरटी) की सफलता से प्रेरित होकर नासा ने हाल ही में एक नई प्लैनेटरी डिफेंस स्ट्रैटेजी एंड एक्शन प्लान जारी किया है। इसमें नासा ने चेतावनी देने के लिए संभावित खतरनाक वस्तुओं को खोजने, पहचानने और फिर उन्हें दूर धकेलने के अपने प्रयासों का वर्णन किया है। अमेरिकी एजेंसी की यह 10-वर्षीय रणनीति पृथ्वी के निकट एस्टेरॉयड्स और कॉमेट के साथ विनाशकारी मुठभेड़ से बचाने के प्रयासों को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है।नासा के प्लैनेटरी डिफेंस ऑफिसर लिंडले जॉनसन ने कहा, 卐पृथ्वी पर एस्टेरॉयड्स के प्रभाव से विनाशकारी तबाही की आशंका है। और यह एकमात्र प्राकृतिक आपदा है जिसे मानवता के पास पूरी तरह से रोकने के लिए पर्याप्त तकनीक है।' 'नासा की इस रणनीति के जारी होने से अगले 10 वर्षों के लिए नासा के इरादे मजबूत हो गए हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि एजेंसी सभी के लाभ के लिए हमारे ग्रह की रक्षा के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करे।' नासा ने प्लैनेटरी डिफेंस स्ट्रैटेजी एंड एक्शन प्लान 18 अप्रैल, 2023 को जारी किया था। यह एक अन्य दस्तावेज का अनुसरण करता है जिसे 3 अप्रैल को व्हाइट हाउस ऑफिस ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी पॉलिसी, 'नेशनल प्रिपेयर्डनेस स्ट्रैटेजी' द्वारा जारी किया गया था। पृथ्वी को खतरों से बचाने और ग्रहों की रक्षा के लिए कार्य योजना卐 प्रत्येक रिपोर्ट प्रभाव के खतरों का पता लगाने, लक्षणों का ब्योरा और प्रतिक्रियाओं को बढ़ाने के साथ-साथ सरकारी एजेंसियों के बीच रणनीतियों के समन्वय के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग में सुधार करने पर केंद्रित है। नासा सभी नियर अर्थ ऑब्जेक्ट्स (एनईओ) की एक पूर्ण सूची बनाने की दिशा में काम कर रहा है। एनईओ सर्वेक्षण से यह पता लगाना है और प्रयासों में सुधार करना है, जो पृथ्वी पर खतरा पैदा कर सकते हैं। स्पेस एजेंसी ने का डबल एस्टेरॉयड्स रिडायरेक्शन टेस्ट (डीएआरटी) मिशन पूरा किया। यह दुनिया का पहला ग्रह रक्षा परीक्षण मिशन था जिसने अंतरिक्ष यान का उपयोग करके एस्टेरॉयड्स डिफ्लेक्शन की एक विधि का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। अमेरिकी सरकारी एजेंसी ने नीयो तैयारियों और प्रतिक्रिया योजना को बढ़ाने का काम किया। इसके लिए उसने अगले 10 वर्षों के भीतर सभी उद्देश्यों को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। नासा का आकलन है कि नियर अर्थ ऑब्जेक्ट्स (एनईओ) का व्यास 10 मीटर (33 फीट) से लेकर 10,000 मीटर (33,000 फीट) से अधिक है और यह पृथ्वी की कक्षा के 42 मिलियन किमी (30 मिलियन मील) के भीतर आता है। दशकों से, वैज्ञानिक और अन्य जानकार मानवता को किसी बिंदु पर निश्चित रूप से क्या होगा इसकी तैयारी करने की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं। अपोलो अंतरिक्ष यात्री रस्टी श्वेकार्ट ने ग्रहों की रक्षा के बारे में कई बार बात की है।

कांगो के किन्शासा में संगीत कार्यक्रम में भगदड़, 7 की मौत, कई घायल

किन्शासा । कांगो की राजधानी किन्शासा में शनिवार रात एक संगीत कार्यक्रम मे भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। वहां के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। किन्शासा के गवर्नर डैनियल बुम्बा ने बताया कि मशहूर गायक माइक कलमबाई राजधानी के मध्य में स्थित स्टेड डेस मार्टियर्स स्टेडियम में संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति दे रहे थे तभी वहां भगदड़ मच गई। उन्होंने बताया कि इस स्टेडियम में 80 हजार दर्शकों के बैठने की व्यवस्था है। एक खबर के मुताबिक स्टेडियम में भगदड़ मचने से सात लोगों की मौत हो गई और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया है। यह नहीं बताया गया है कि स्टेडियम में भगदड़ कैसे मची। घटना की जांच जारी है। हालांकि कार्यक्रम का आयोजन करने वाली प्रबंधन कंपनी माजाबु गॉस्पेल ने कहा कि यह घटना उस समय हुई जब सुरक्षाकर्मी कुछ उपद्रवियों को शांत कराने का प्रयास कर रहे थे। आयोजकों ने बताया कि संगीत कार्यक्रम का लुत्फ उठाने के लिए लगभग 30 हजार लोग स्टेडियम पहुंचे थे। उन्होंने बताया कि माइक कलमबाई के अलावा कई अन्य लोकप्रिय कलाकारों को भी इस संगीत कार्यक्रम में प्रस्तुति देनी थी।

चीन में भारी बारिश से तबाही, घर की मिट्टी धंसने से 11 की गई जान

बीजिंग। चीन में बारिश के बाद आई बाढ़ ने कई इलाकों में तबाही मचा दी है। रविवार को दक्षिण-पूर्वी चीन में एक घर में मिट्टी धंस गई जिससे 11 लोगों की मौत हो गई। ट्रॉपिकल तूफान आने से हो रही भारी बारिश के चलते पूरा इलाका नदी में तब्दील हो गया है। शनिवार को भी शंघाई में एक पेड़ के गिरने से स्कूटर पर सवार एक डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। चीन पहुंचने से पहले तूफान गेमी ने फिलीपींस में भी खूब तबाही मचाई। इसमें कम से कम 34 लोगों की मौत हो गई। ताइवान के द्वीप में भी तूफान गेमी कहर बरपा रहा है, जहां अब तक मरने वालों की संख्या दस हो गई है। मीडिया रिपोर्ट में बताया गया है रविवार सुबह करीब 8 बजे युएलिन गांव में एक घर में मिट्टी धंस गई, जिसमें 11 लोगों की दबने से मौत हो गई जो हुनान प्रांत के हेंगयांग शहर में आता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारी बारिश के चलते पहाड़ों से बहते पानी के कारण यह भूस्खलन हुआ। चीन मौसम विभाग ने कहा कि ट्रॉपिकल तूफान से जुड़ी बारिश ने हुनान प्रांत के दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में तबाही मचा रखी है।

इजराइल पर रॉकेट हमले की जिम्मेदारी हिजबुल्लाह ने नहीं ली

तेल अवीव। गोलान हाइट्स पर हिजबुल्लाह की ओर से कई रॉकेट दागे गए हैं, जिसमें 12 लोगों की मौत हो गई। इजरायल के मुताबिक यह सात अक्टूबर की लड़ाई शुरू होने के बाद हिजबुल्ला का सबसे बड़ा हमला है। रॉकेट गोलान हाइट्स के उत्तरी ड्रूज शहर मजदल शम्स में एक फुटबॉल मैदान पर गिरे। इजरायल ने कहा कि उसने लेबनान से इजरायली इलाके में गिरने वाले 30 प्रोजेक्टाइल की पहचान की है। इस हमले के बाद इस बात की आशंका जताई जा रही है कि इजरायल अब हमास के साथ-साथ हिजबुल्लाह से भी जंग कर सकता है। कुछ इजरायली नेताओं ने जवाबी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि हिजबुल्लाह ने रॉकेट दागने से इनकार किया है। इजरायल और हमास का युद्ध शुरू होने के साथ ही लेबनान के साथ लगी सीमा पर हिजबुल्ला के साथ संघर्ष शुरू हो गया था। इजरायली सेना और हिजबुल्लाह पिछले दस महीने से एक दूसरे पर हमले कर रहे हैं। इस हमले से पहले भी कहा जाता रहा है कि दोनों का संघर्ष एकदम उबलते हुए बिंदु पर पहुंच रहा है। 12 लोगों की मौत के अलावा हमले में 29 लोग घायल हुए हैं। आईडीएफ ने शनिवार देर रात कहा कि मरने वाले सभी की उम्र 10-20 साल है। इस हमले के बाद एक बड़ी जवाबी कार्रवाई का वादा किया जा रहा है। हमला ऐसे समय पर हुआ जब इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिका से वापस लौटे हैं। छिटपुट संघर्ष की जगह अब हिजबुल्लाह के साथ एक पूर्ण युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे भारतीय छात्रों की बढ़ी मुश्किलें

वाशिंगटन। भारतीय अमेरिकी बच्चों का अमेरिका से डिपोर्ट होने का रिस्क बढ़ता जा रहा है। दरअसल, जो बच्चे अपने माता-पिता के साथ छोटी उम्र में अमेरिका आए थे उन्हें डॉक्यूमेंटेड ड्रीमर्स कहा जाता है। हालांकि, जैसे ही इन बच्चों की उम्र 21 साल की हो जाएगी तो वह अपने माता-पिता के वीजा पर निर्भर नहीं रह सकते। अमेरिका के इस कानून के कारण ऐसे बच्चों पर निर्वासित होने का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे लगभग 2, 50,000 से अधिक बच्चे है, जिसमे भारतीय-अमेरिकी बच्चों की संख्या सबसे अधिक हैं। दरअसल, अमेरिका से डिपोर्ट किए जाने का सबसे बड़ा कारण- बढ़ती उम्र को बताया गया है। नेशनल फाउंडेशन फॉर अमेरिकन पॉलिसी ने 2 नवंबर तक अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवा के आंकड़ों को स्टडी किया और पाया कि डिपेंडेंट्स सहित 1.2 मिलियन से अधिक भारतीय वर्तमान में कई कैटगरी में ग्रीन कार्ड का इंतजार कर रहे हैं। यह संख्या फोर्ब्स की एक रिपोर्ट से ली गई है। जानकारी अनुसार, व्हाइट हाउस ने इसके लिए रिपब्लिकन को दोषी ठहराया है और कहा है कि उन्होंने दो बार द्विदलीय समझौते को खारिज कर दिया था। 13 जून को, आव्रजन, नागरिकता और सीमा सुरक्षा पर सीनेट न्यायपालिका उपसमिति के अध्यक्ष सीनेटर एलेक्स पैडीला और प्रतिनिधि डेबोरा रॉस के नेतृत्व में 43 सांसदों के एक समूह ने बाइडन प्रशासन से इस मुद्दे के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया।

अमेरिका में अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस अपने चुनाव अभियान में पहुंची, इस दौरान उनके समर्थक उत्साहित दिखे।

एस. जयशंकर और एंटनी ब्लिंकन ने टोक्यो में बैठक के दौरान क्षेत्रीय, वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की

टोक्यो। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को अपने अमेरिकी समकक्ष एंटनी ब्लिंकन से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों तथा क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा की। दोनों नेताओं ने टोक्यो में क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के इतर मुलाकात की। जयशंकर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''टोक्यो में आज विदेश मंत्री ब्लिंकन से मुलाकात कर बहुत अच्छा लगा। हमारा द्विपक्षीय एजेंडा लगातार आगे बढ़ रहा है। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। 'क्वाड' विदेश मंत्रियों की कल होने वाली बैठक में शामिल होने के लिए उत्सुक हूं।'' भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया ने नवंबर 2017 में 'क्वाड' की स्थापना की थी, ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए एक नयी रणनीति विकसित की जा सके। चीन, दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है, जबकि फिलीपीन, वियतनाम, मलेशिया, ब्रुनेई और ताइवान भी इस समुद्री क्षेत्र पर दावे करते हैं।

अगर मैं राष्ट्रपति बना तो अमेरिका क्रिप्टो की राजधानी बन जाएगा

- ट्रम्प ने व्हाइट हाउस वापस आने पर क्या-क्या करेंगे बताया प्लान

नैशविले (एजेंसी)। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने नैशविले में बिटकॉइन सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि अगर वह व्हाइट हाउस वापस आते हैं यानी अमेरिकी राष्ट्रपति बनते हैं तो आने वाले दिनों में अमेरिका क्रिप्टो की राजधानी बन जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह आज बिटकॉइन समुदाय को संबोधित करने के लिए दो सरल शब्दों की वजह से आए हैं। अमेरिका फर्स्ट अगर हम ऐसा नहीं करते हैं, तो चीन और दूसरे देश ऐसा करने जा रहे हैं। आइए इसे करें और इसे सही तरीके से करे।

ट्रम्प ने कहा कि अगर क्रिप्टो करेंसी भविष्य को परिभाषित करने जा रहा है तो मैं चाहता हूं कि इसे यूएसए में खनन किया जाए। ट्रंप ने कहा कि बिटकॉइन का मतलब आजादी, संप्रभुता और सरकार, दबाव और नियंत्रण से मुक्ति है। ट्रम्प ने कहा कि अपने राष्ट्रपति पद के पहले दिन ही वे अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग के अध्यक्ष गैरी जेन्सलर को अपने पद से हटाएंगे लेकिन कमला हैरिस गैरी को वित्त मंत्री बनाना चाहती हैं।

ट्रम्प ने कहा कि वह ऑपरेशन चोक पॉइंट 2.0 को खत्म करेंगे और बिटकॉइन और क्रिप्टो के लिए एक काउंसिल बनाएंगे। इस कार्यक्रम में ट्रम्प के भाषण में देरी हुई क्योंकि मेजबान ने कहा कि वे एक स्पेशल गेस्ट का इंतजार कर रहे थे। लोगों ने अनुमान लगाया कि शायद वह एलन मस्क हों। अपने भाषण में ट्रम्प ने एलन मस्क और इलेक्ट्रिक कारों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि हर किसी के पास चीन में बनी इलेक्ट्रिक कार नहीं होनी चाहिए जो ज्यादा दूर तक न जाए। मुझे एलन मस्क पसंद है और मैं उनके समर्थन के लिए उनका धन्यवाद करता हूं। मुझे इलेक्ट्रिक कारें भी पसंद हैं। मुझे लगता है कि उनकी कार बहुत अच्छी है लेकिन हर कोई ऐसा नहीं है।

उन्होंने कहा कि वे बिटकॉइन और क्रिप्टो में चंदा कबूल कर रहे हैं। ट्रम्प ने कहा कि अगर डेमोक्रेट जीतते हैं, तो आप सभी चले जाएंगे। वे क्रूर होंगे। उन्होंने कहा कि रिपब्लिकन को बहुत बड़ी जीत मिलनी चाहिए। हैरिस तो जो बाइडन से भी बदतर है, वह एक कट्टरपंथी, पागल है, वह क्रिप्टो के खिलाफ है। अब थोड़ा हनीमून पीरियड चल रहा है। उन्होंने कहा कि बाजार आसमान छू रहे हैं क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि ट्रंप राष्ट्रपति बनेंगे। ट्रंप ने कहा कि मेरी एक पोती है जो धाराप्रवाह चीनी बोल सकती है। क्या आप इस पर भरोसा कर सकते हैं? लेकिन आपको ऐसा करने की जरूरत नहीं है. आपको चीन जाने की जरूरत नहीं है।

कर्जों में राहत के लिए चीनी अधिकारियों से बात कर रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था कर्जों पर चल रही है। जिन देशों से पाकिस्तान ने कर्जे लिए हैं उन्हें वह वापस भी नहीं कर पा रहा है। ऊर्जा क्षेत्र में कर्जों की रिशेड्यूलिंग के लिए चीनी अधिकारियों के साथ पाकिस्तान बातचीत कर रहा है। कर्जों में राहत मांगने के लिए पाकिस्तानी वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब हाल ही में चीन पहुंचे। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना के एक बयान के अनुसार वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने चीन के केंद्रीय बैंक के गवर्नर पैन गोंगशेंग से मुलाकात की और द्विपक्षीय वित्त सहयोग पर विचारों का आदान प्रदान किया। इससे जुड़े लोगों को बातचीत के नतीजों को लेकर चिंता है। उन्हें डर है कि अगर चीजें इच्छानुसार न हुईं तो विदेशी निवेश और विनिमय दर स्थिरता पर महत्वपूर्ण असर पड़ सकता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक स्थिति पर करीब से नजर रखने वाले एक वरिष्ठ बैंकर ने कहा, हमारा मानना है कि चीन ऊर्जा क्षेत्र के ऋणों को पुनर्निर्धारित करने के पाकिस्तान के अनुरोध को सिरे से खारिज नहीं करेगा, लेकिन अंतिम परिणाम निराशाजनक प्रतीत होता है। उन्होंने कहा कि चीन शुरू से इस मुद्दे पर चर्चा नहीं करना चाहता था, जिस कारण यात्रा में देरी हुई। यह ऊर्जा ऋण संबंधित बातचीत पर पाकिस्तान के साथ चीन की असहमति को दिखाता है। चीन वर्षों से पाकिस्तान का सबसे बड़ा विदेशी निवेशक रहा है। हांगकांग से आने वाला निवेश भी पाकिस्तान के लिए महत्वपूर्ण है जो चीन से अनुमोदित माना जाता है। हालांकि चीन के निवेश में गिरावट देखी गई है। लेकिन इसके बावजूद वित्तीय वर्ष 2024 में वह एफडीआई का सबसे बड़ा स्रोत बना हुआ है। चीन और हांगकांग का निवेश पाकिस्तान के कुल एफडीआई का लगभग आधा था, जिसमें 17 फीसदी की वृद्धि देखी गई। एक अन्य वरिष्ठ बैंकर एसएस इकबाल ने चीन पर पाकिस्तान की बढ़ती निर्भरता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा ?कि चीन पर हमारी निर्भरता बढ़ गई है, क्योंकि हम ऊर्जा क्षेत्र के ऋणों में 15 अरब डॉलर के रिशेड्यूलिंग को लेकर बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि चीन ऋण और रिशेड्यूलिंग की राहत देता रहता है, जो पाकिस्तान के विदेशी मुद्रा भंडार को बढ़ाने में सहायक रहा है।

ओलंपिक के उद्घाटन समारोह की झांकी पर भड़के ईसाई बोले- ये तो ईसा मसीह का अपमान है

पेरिस (एजेंसी)। राजधानी पेरिस में ओलंपिक खेलों को उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया था। समारोह में दिखाई गई एक झांकी को लेकर विवाद भी खड़ा हो गया है। ड्रैग क्वीन थीम के साथ ईसा मसीह के अंतिम भोज की झांकी दिखाई गई थी। हालांकि ईसाइयों ने इस पर आपत्ति करते हुए गुस्सा जाहिर किया है। दरअसल अगर कोई कॉमेडी करने के लिए ऑपजिट जेंडर के कपड़े पहनता है तो उसे ड्रैग कहा जाता है। दरअसल आम तौर पर पुरुष मनोरंजन के लिए फीमेल के कपड़े पहनते हैं और बढ़ा-चढ़ाकर मेकअप करते हैं। समलैंगिक पुरुषों को भी इस श्रेणी में रखा जाता है।

दरअसल इस झांकी में ड्रैग क्वीन्स के बीच में ईसा मसीह की नकल की गई। एक महिला को यीशु के रूप में दिखाया गया जो कि कलाकार लियोनार्दो द विंची की एक पेंटिंग द लास्ट सपर से प्रेरित थी। यहां देवदूतों की जगह पर अजीब मेकअप किए हुए ड्रैग क्वीन्स खड़े थे। इसमें मुकट पहने एक प्लस साइज की महिला दिखाई गई जिसे पेंटिंग में यीशू की जगह खड़ा कर दिया गया था। दरअसल यीशू के अंतिम भोज को ईसाई धर्म में बेहद अहम और पवित्र घटना माना जाता है। सूली पर चढ़ने से पहले येरुशलम में ईसा मसीह ने अपने अनुयायियों के साथ अंतिम बार भोजन किया था। इस झांकी पर एलन मस्क ने भी नाराजगी जताई और कहा कि यह बेहद अपमानजनक है। बता दें कि आम तौर पर स्टेडियम में होने वाली देशों की परेड की परंपरा से अलग यहां छह किलोमीटर की परेड आस्टरलिज ब्रिज से शुरू हुई जिसमें 85 नावों में 205 देशों के 6800 से अधिक खिलाड़ी सवार थे और एक शरणार्थी ओलंपिक टीम भी थी।

सोशल मीडिया पर भी इसको लेकर लोग जमकर गुस्सा जाहिर कर रहे हैं। एक यूजर ने कहा, यह सब पूरी तरह कूड़े के जैसा है। ओलंपिक के उद्घाटन में यह सब दिखाना बेहद शर्मनाक है। एक अन्य यूजर ने कहा, यह ओलंपिक खेलों में आतंकवाद का बेस्वाद प्रदर्शन है। उद्घाटन समारोह में नावें शहर की ऐतिहासिक इमारतों कैथेड्रल आफ नोत्रे डेम, लावरे म्युजियम और कुछ आयोजन स्थलों से होकर गुजरीं। अमेरिकी पॉपस्टार लेडी गागा ने अपने सुरों से समा बांधा।

रूस ने किया नया नाटो बनाने की घोषणा, कई आसियान देशों ने दिखाई रुचि

वियनतियाने (एजेंसी)। रूस ने आसियान शिखर सम्मेलन में यूरेशियाई नाटो का ऐलान किया है। इस बैठक में शामिल हुए रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि कई आसियान देशों ने यूरेशिया में नई सुरक्षा संरचना बनाने के रूस के विचार में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि सदस्य देश चाहते हैं कि पश्चिम चीन और रूस को नियंत्रित करने के लिए आसियान के भीतर संकीर्ण प्रारूपों पर जोर दे रहा है। इसे अमेरिका के नेतृत्व वाले नाटो के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है।

अमेरिका ने नाटो शीत युद्ध के दौरान रूस का मुकाबला करने के लिए बनाया था। इस गठबंधन में वर्तमान में 32 देश शामिल हैं। इस गठबंधन का सबसे नवीन सदस्य देश स्वीडन है। लावरोव ने शिखर सम्मेलन की मंत्रिस्तरीय बैठक के बाद कहा कि पश्चिम अभी भी एक स्पष्ट लक्ष्य के साथ संकीर्ण प्रारूपों पर जोर दे रहा है, यह इसे छिपाता नहीं है कि उनका जोर चीन और रूस को नियंत्रित करने पर है।

हमारे आसियान साझेदार इसे अच्छी तरह से समझते हैं और उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की पहल में रुचि दिखाई है, जिसका यहां उल्लेख किया गया है, एक यूरेशियाई सुरक्षा प्रणाली जो अविभाज्य और समान होगी। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि वार्ता में यूरेशियाई महाद्वीप के सभी देशों के लिए एक अविभाज्य सुरक्षा प्रणाली तैयार करने की जरुरत पर चर्चा की गई, जिसमें शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) और यूरेशियाई आर्थिक संघ ऐसे प्रयासों के अच्छे उदाहरण हैं।

लावरोव ने कहा कि रूस संयुक्त परमाणु हमले की योजना को अंजाम देने की अमेरिका और दक्षिण कोरिया की योजनाओं के बारे में चिंतित है। उन्होंने कहा कि एक और चिंताजनक पहलू यह है कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने हाल ही में दक्षिण कोरिया के साथ संयुक्त परमाणु योजना पर एक समझौता किया है। इस समझौते का क्या मतलब है, इसका स्पष्टीकरण भी नहीं मिल पाया है, लेकिन हमें इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह अतिरिक्त चिंता का कारण बनता है।

अमेरिका की जनता के मूड को भांपने वाला सर्वे- ट्रंप और कमला में से कौन बनेगा राष्ट्रपति

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नवंबर में अमेरिका में राष्ट्रपति के लिए चुनाव होने हैं। एक ताजा सर्वेक्षण में कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच राष्ट्रपति पद की दौड़ में कांटे की टक्कर देखने को मिली है। सर्वेक्षण से पता चलता है कि हैरिस और ट्रम्प दोनों अपने-अपने अभियानों में स्पष्ट सार्वजनिक छवि विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। कमला हैरिस को 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं द्वारा अनुकूल माना, जबकि 52 प्रतिशत ने उन्हें प्रतिकूल रूप से देखा। उल्लेखनीय है कि यह उनके चुनावी करियर का सबसे सकारात्मक सर्वेक्षण परिणाम है। ट्रम्प की तुलना में कमला हैरिस, आव्रजन, अर्थव्यवस्था, विदेशी संबंधों और अपराध जैसे मुद्दों पर अधिक सक्षम नजर आ रही हैं, हालांकि गर्भपात जैसे मुद्दे पर हैरिस को 51 प्रतिशत समर्थन मिला। जबकि ट्रम्प को 33 प्रतिशत मत प्राप्त हुए।

हाल ही में वॉल स्ट्रीट जर्नल द्वारा किए गए सर्वेक्षण में पता चला है कि अमेरिका में राष्ट्रपति पद की दौड़ बेहद करीबी हो गई है। सर्वेक्षण के अनुसार, डोनाल्ड ट्रम्प को 49 प्रतिशत वोट मिले हैं, जबकि कमला हैरिस को 47 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए हैं। इससे पहले ट्रम्प ने राष्ट्रपति जो बाइडन से छह अंकों की बढ़त बनाई थी, लेकिन अब दौड़ में एक नई गति देखने को मिल रही है।इस सर्वे में जब अन्य स्वतंत्र और तीसरे पक्ष के उम्मीदवारों को शामिल किया गया, तो कमला हैरिस को 45 प्रतिशत समर्थन मिला, जबकि ट्रम्प को 44 प्रतिशत समर्थन प्राप्त हुआ। रॉबर्ट एफ कैनेडी जूनियर को केवल 4 प्रतिशत उत्तरदाताओं का समर्थन मिला और 5 प्रतिशत ने किसी पर भरोसा नहीं जताया। पिछले सर्वेक्षणों में बाइडन इन बहु-उम्मीदवार परिदृश्यों में ट्रम्प से छह अंकों से पीछे थे। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया है कि 48 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि ट्रम्प जो कि 78 वर्ष के हैं, राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने के लिए बहुत बूढ़े हैं। इसके विपरीत केवल 2 प्रतिशत ने हैरिस के बारे में यही चिंता जताई। कमला हैरिस फिलहाल 59 वर्ष की हैं। इसके अतिरिक्त, 46 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि हैरिस के पास राष्ट्रपति के रूप में सेवा करने के लिए सही गुण हैं, जबकि ट्रम्प के बारे में केवल 38 प्रतिशत का यही मानना है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

साउथ कोरिया की बीमारी ने भारत में दी दस्तक, अब मचा हाहाकार

हैदराबाद। साउथ कोरिया में नोरोवायरस ने तांडव मचाया और 1000 लोगों से ज्यादा लोगों को बीमार कर दिया। अब यही नोरोवायरस हैदराबाद में फैल रहा है। जिससे हैदराबाद के लोग खौफ में जी रहे हैं। हर दिन लगभग 100 से 120 मामले सामने आ रहे हैं। हर दिन सौ से ज्यादा मामले सामने आ रहे हैं। नोरो वायरस से पीड़ित सैकड़ों लोग सरकारी और निजी अस्पतालों और क्लीनिकों में आ रहे हैं। कुछ की हालत गंभीर हो गई है और उनका इलाज आईसीयू में वेंटिलेटर पर किया जा रहा है। इस तरह नोरोवायरस हैदराबादवासियों को दहशत में डाल रहा है। पीड़ित लोगों को बिना देर किए चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। अन्यथा स्थिति घातक होने का खतरा है। हैदराबाद में कई लोग इन लक्षणों से पीड़ित हैं और उनका इलाज वेंटिलेटर पर किया जा रहा है। नोरो वायरस दूषित भोजन और पानी के सेवन से संक्रमित होता है। प्रदूषित वातावरण भी इस वायरस के फैलने का कारण बनता है। यह संक्रामक हैज इसलिए एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में तेजी से फैलता है। जो लोग संक्रमित लोगों के निकट संपर्क में आते हैं वे आसानी से इस वायरस से संक्रमित हो सकते हैं। बता दें कि सबसे तेजी से फैलने वाला नोरो वायरस हैदराबादवासियों को डरा रहा है। यह काफी तेजी से फैल रहा है और लोगों में भ्रम पैदा कर रहा है कि आखिर उन्हें हो क्या रहा है। कुछ ही दिनों में सैकड़ों मामले सामने आ रहे हैं जिससे अब शहरवासी चिंतित हैं। हेल्थ विभाग के अधिकारी सतर्क हो गए हैं। शहरवासियों को महत्वपूर्ण निर्देश दी जा रही हैं। चूंकि यह एक महामारी है, यह तेजी से फैल रही है।। इससे पता चलता है कि अगर कई सावधानियां बरती जाएं तो इससे बचा जा सकता है। खासकर पुराने शहर इलाके में, कई लोग उल्टी और दस्त से पीड़ित हैं। दबीर पुरा, याकूत पुरा, पुराना हवेली, मुगल पुरा, मलक पटे जैसे इलाकों के लोग ज्यादा बीमार हो रहे हैं।

यूपी में कावड़ मेले में पहुंची पांच लाख रुपयों के नोट लगी कांवड़

– शिवभक्त ने अपनी कावड़ में लगा रखे 5 लाख 21 हज़ार रुपये के 500,100 और 50 के नोट

मुज़फ्फरनगर । उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जनपद में कावड़ मेले के दौरान अनेकों रंग बिरंगी कावड़ देखने को मिल रही है लेकिन शनिवार की रात कावड़ यात्रा के दौरान नगर में एक नोटों की ऐसी कांवड़ भी पहुंची, जिसे लोग देखते ही रह गए। इस कांवड़ में 5 लाख 21 हज़ार रुपये के 500, 100 और 50 के नोट लगाए गए हैं। दरसअल, दिल्ली शाहदरा के गांव सरोली निवासी सागर राणा नाम का एक शिवभक्त कावड़िया अपनी टीम के साथ हरिद्वार हर की पौड़ी से गंगाजल भरकर अपनी कावड़ लेकर यात्रा पर निकला है। शिवभक्त सागर ने अपनी कावड़ में 5 लाख 21 हज़ार रुपये के 500, 100 और 50 के नोट लगा रखे हैं। आपको बता दे कि शिवभक्त कावड़िए सागर राणा की यह चौथी नोटों की कावड़ है, इससे पहले वह 200 ,100 और 10 के नोटों की कावड़ भी लेकर आ चुका है। शिव भक्त सागर राणा का कहना है कि वह अपनी कावड़ यात्रा को पूर्ण कर, दो अगस्त को शिव शंकर को जलाभिषेक करने के बाद इन नोटों से अपने गांव में भंडारा करेगा। शिवभक्त कावड़िए सागर राणा की माने तो उसने बताया कि हमें दिल्ली शाहदरा के सरोली गांव जाना है, हम हरिद्वार से 25 की सुबह 5:00 चले थे और 1 तारीख तक पहुंच जाएंगे, इसमें 500 के 4:30 लाख रुपए लग रहे हैं और 100 और 50 को करके टोटल 465000 हैं। कुल ?मिलाकर यह 5 लाख 21 हजार रुपए हैं, यह मैं हर साल ला रहा हूं और यह मेरी चौथी कावड़ है और पहले 200 की उससे पहले 100 की और उससे भी पहले 10 की कावड़ थी। इस बार बड़ी कावड़ है, अगली बार का तो तभी पता चलेगा, हमारी यह चार लोगों की टीम है, इन पैसों का कावड़ के बाद अपने बाबा के नाम का भंडारा होगा और हम हमेशा इस तरह ही करते हैं हमेशा सेवा में ही पैसे लगते हैं।

दुष्कर्म पीड़िताओं और गवाहों के लिए प्रोटेक्शन स्कीम 2024 लाने की तैयारी

भोपाल। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के लागू होने के बाद सारे देश में विटनेस प्रोटक्शन योजना लागू की जा रही है। दुष्कर्म पीड़ताओं,महिलाओं, और जघन्य अपराध के गवाहों को सुरक्षा देने के लिए, मध्य प्रदेश सरकार विटनेस प्रोटक्शन स्कीम 2024 तैयार कर रही है। प्रमुख गृह सचिव संजय दुबे के अनुसार दुष्कर्म पीड़िताओं और गवाहों की सुरक्षा के लिए नया बिल लाने की तैयारी शुरू हो गई है। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में यह कमेटी बनेगी। जो प्रोटक्शन बिल का प्रस्ताव तैयार करेगी। इसे जल्द ही कैबिनेट में भेजा जाएगा। कैबिनेट की मंजूरी मिल जाने के बाद इस योजना को लागू किया जाएगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य पीड़ित महिलाओं की सुरक्षा, जीवन यापन और गवाहों की सुरक्षा के विशेष प्रावधान होंगे। इस कानून में पीड़ित महिला का नाम, पता बदलने का प्रावधान होगा। उनका पुनर्वास भी कराया जाएगा। अपराधी उनका पता ना लगा पायें,इसका भी प्रावधान किया जाएगा। कामकाजी महिलाओं के लिए सरकार फीस इत्यादि की व्यवस्था करेगी। प्रतिमाह मुआवजा देने की योजना भी इस प्रस्ताव में शामिल होगी।

प्रलोभन और बयान बदलने पर लगेगी रोक– इस नए प्रावधान से अदालत में गवाहों या पीड़िता के जो बयान दबाव से बदलवाये जाते हैं, उसमें रोक लगेगी। पीड़ताओं को सुरक्षा मिलेगी। उन्हें प्रलोभन नहीं दिया जा सकेगा। गवाह और पीड़िता के आवेदन पर उसके घर की सुरक्षा की जाएगी। सीसीटीवी,पुलिस सुरक्षा तथा किसी भी आकस्मिक स्थिति में सहायता दिए जाने का प्रावधान होगा।

हर साल 4000 से ज्यादा दुष्कर्म– कड़े कानून होने के बाद भी हर साल मध्य प्रदेश में दुष्कर्म की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। ओसतन 4000 से अधिक दुष्कर्म की घटनाएं प्रतिवर्ष हो रही हैं। इस स्थिति को देखते हुए तथा नई भारतीय न्याय संहिता और भारतीय नागरिक सुरक्षा सहायता लागू हुई है। सुप्रीम कोर्ट ने जो निर्देश दिए हैं। उसके अनुसार नई पॉलिसी तैयार की जा रही है।

मुस्लिम पर्सनल लॉ के बहाने बाल विवाह नहीं कराया जा सकता : हाईकोर्ट

तिरुअनंतपुरम। केरल हाईकोर्ट ने उन लोगों को फटकार लगाई जो मुस्लिम पर्सनल लॉ के बहाने बाल विवाह को सही ठहराने की वकालत करते हैं। कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण मामले में अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि बाल विवाह विरोधी नियम 2006, बिना किसी धार्मिक भेदभाव के समान रूप से सभी भारतीयों के ऊपर लागू है। जस्टिस पी वी कुन्निकृष्णन ने यह भी साफ किया कि नागरिकता पहले है और धर्म बाद में, इसलिए यह कानून हर भारतीय पर बिना किसी भेदभाव के लागू होगा। बेंच ने हाल ही में पलक्कड़ में एक बाल विवाह के मामले में आरोपी की याचिका को खारिज करते हुए यह निर्देश जारी किया। न्यायालय ने आरोपी पिता और कथित पति की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि उनके विरुद्ध दायर किया गया केस रद्द कर दिया जाए। कोर्ट का यह फैसला ऐसे समय में आया है जब भाजपा शासित असम में कई अल्पसंख्यक लोग बाल विवाह करवाते पकड़े गए हैं। जस्टिस कृष्णन ने कहा कि बाल विवाह रोकना हमारे आधुनिक समाज का हिस्सा है। आज के दौर में यह कहीं से भी जायज नहीं है कि एक बच्चे कि शादी कर दी जाए। यह उस बच्चे के मानवीयअधिकारों का उल्लंघन है। बच्चों को पढ़ने दिया जाए, घूमने दिया जाए,अपनी जिंदगी को जीने दिया जाए और फिर जब वह उस उम्र में आ जाए तो उन्हें खुद से यह फैसला लेने दिया जाए कि वह किससे शादी करते हैं। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की दुहाई देते हुए याचिकाकर्ताओं ने कहा कि कोई भी मुस्लिम लड़की अगर प्यूबर्टी तक पहुंच जाती है तो पर्सनल लॉ बोर्ड के हिसाब से वह शादी के लिए तैयार है और केंद्र उसमें हस्तक्षेप नहीं कर सकता। याचिका कर्ताओं ने कहा कि यह बाल विवाह विरोधी कानून उनके पर्सनल लॉ बोर्ड के खिलाफ है और उनके अधिकारों का हनन कर रहा है। हालांकि हाइकोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की सभी दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि यह कानून किसी पर्सनल लॉ बोर्ड या किसी भी धर्म से भी ऊपर है। पूरे भारत में और भारत के बाहर रहने वाले भारतीय नागरिकों को भी यह नियम मानना ही होगा, इसमें किसी भी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती जाएगी।

हैल्थ विभाग ने स्वाइन फ्लू को लेकर जारी की एडवाइजरी

– देश के कई शहरों में स्वाइन फ्लू के केस हुए कन्फर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्वास्थ्य विभाग ने स्वाइन फ्लू (एच1एन1) को लेकर एडवाइजरी जारी की है। मौसम में हो रहे बदलाव और बढ़ती उमस को देखते हुए यह एडवायजरी जारी की है। देश के कई शहरों में स्वाइन फ्लू के केस कन्फर्म हुए हैं। ऐसे में विभाग ने एहतियात के तौर पर एडवाइजरी जारी की है।

हैल्थ विभाग की ओर से डेंगू की रोकथाम को लेकर भी घर- घर जाकर चैकिंग और लोगों को जागरूक किया जा रहा है। मानसून सीजन की शुरूआत से पहले ही विभाग ने टीम बना ली थी जो फील्ड में काम कर रही है। 120 के करीब कर्मी इसमें लगे हैं। हालांकि यह डेंगू का पिक सीजन नहीं है, लेकिन थोड़ी सी भी लापरवाही इस वक्त भारी पड़ सकती है। बारिश हालांकि अभी ज्यादा नहीं हो रही। आने वाले दिनों में यह बढ़ेगी, जोकि मच्छरों के पैदा होने के लिए सही कंडीशन उन्हें देगी। विभाग की टीमें घर-घर जाकर चैकिंग कर रही हैं और लापरवाही को लेकर चालान काटने के लिए पांच टीम बनाई हैं। विभाग के पास 10 हाथ चलाने वाली फॉगिंग मशीन और 4 गाड़ी वाली फॉगिंग मशीन हैं जिसकी मदद ली जा रही हैं।

एच1एच1 से ऐसे बचें के तरीके की बात करें तो छींकते समय टिश्यू पेपर से नाक को ढके और फिर उस पेपर से सावधानी से नष्ट कर दे। हाथों को लगतार साबुन से धोते रहें। घर, ऑफिस के दरवाजों के हैडल, कीबोर्ड, मेज अदि साफ रखें। जुकाम के लक्षण दिखाई दें तो घर से बाहर ना जाएं और दूसरों के नजदीक ना जाएं। बुखार अगर आया हो तो उसके ठीक होने के 24 घंटे बाद तक घर पर रहे। लगातार पानी पीते रहें। फेस मास्क जरूर पहनें। स्वाइन फ्लू के लक्षण यूं तो सामान्य जुकाम जैसे ही होते हैं, परंतु इसमें 100 डिग्री तक का बुखार आता है, भूख कम होजाती है और नाक से पानी बहता है। कुछ लोगों को गले में जलन, उल्टी और डायरिया भी हो जाता है। डाक्टर्स की मानें तो यहलक्षण होने पर तुरंत अस्पताल में चैक कराएं, लेकिन टैस्ट डाक्टर के पर्मामश के बाद ही कराएं। स्वाइन फ्लू एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संपर्क से फैलता है।

जब कोई स्वाइन फ्लू का मरीज छींकता है तो उसके आसपास 3 दूर तक खडे, व्यक्तियों फीट की दूर के शरीर में इस स्वाइन फ्लू का वायरस प्रवेश कर जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपनेछींकते समय - नाक को हाथ से ढक लेता है तो फिर यदि वह जहां कहीं भी उस हाथ को लगाता है (दरवाजे, खिडकियां, मेज, कीबोर्ड आदि) वहां यह वायरस लग जाता है और फिर वहां से किसी अन्य व्यक्ति के हाथों पर लगक र शरीर में प्रवेश हो जाता है। डॉक्टरों का कहना है कि यह मौसम सीजनल फ्लू का होता है, जिसमें स्वाइन फ्लू, डेंगू मलेरिया, चिकनगुनिया समेत कई वेक्टर बोर्न डिजीज यानी पानी से होनी वाली बीमारियां का खतरा रहता है।

पाक की मेहविश और चूरू के रहमान ने निकाह किया

चूरू। पाकिस्तान की सीमा हैदर और भारत के सचिन मीणा की प्रेम कहानी जैसी ही एक कहानी राजस्थान में दोहराई गई है। इसके पात्र हैं पाकिस्तान की मेहविश और राजस्थान के चूरू जिले का रहमान। भारत-पाक सीमा के दोनों तरफ के प्यार ये पंछी अब एक हो चुके हैं। इन दोनों कहानियों में कुछ समानताएं हैं तो कुछ बातें अलग भी हैं। लक्ष्य एक है प्यार को पाना। पाकिस्तान के लाहौर की रहने वाली मेहविश (25) ने चूरू जिले के पिथिसर गांव निवासी रहमान (30) से निकाह कर लिया है। इन दोनों की मुलाकात सोशल मीडिया प्लेटफार्म इमो नाम के एप पर ऑनलाइन हुई थी। सीमा हैदर और सचिन की ऑनलाइन मुलाकात पबजी गेम के जरिये हुई थी। इन ई-मुलाकातों के बाद ये दोनों जोड़े प्रेम की पींगे मारने लगे। सीमा हैदर जहां अपने 4 बच्चों को लेकर अवैध तरीके से नेपाल के रास्ते भारत पहुंची थी। वहीं मेहविश अपने दोनों बच्चों को छोड़कर बाघा बॉर्डर से भारत आई है। सीमा हैदर और सचिन जहां दोनों अलग-अलग धर्म के थे वहीं मेहविश और रहमान एक ही धर्म से ताल्लुक रखते हैं। दोनों ही जोड़ों के प्यार की शुरुआत ऑनलाइन मुलाकातों से हुई, लेकिन परिस्थितियां अलग-अलग रही हैं। मेहविश जहां अपने पति से तलाक ले चुकी है। वहीं रहमान भी अपनी पत्नी को छोड़ चुका है। दोनों के 2-2 बच्चे हैं। जबकि सीमा के 4 बच्चे हैं। सीमा हैदर सोशल मीडिया बेहद पॉपुलर रही, लेकिन मेहविश के साथ ऐसा कुछ नहीं है। पाकिस्तान से राजस्थान के रहमान की दुल्हन बनकर आई मेहविश बरसों तक ब्यूटी पार्लर का काम करती रही है। साल 2006 पाकिस्तान के बादामी बाग के खुर्रम शहजाद से निकाह करने वाली मेहविश का अपने पति से 2018 में तलाक हो गया था। इस बीच उनके 2 बेटे हुए। इनमें एक बेटा 12 तो दूसरा 7 साल का है।

भारी बारिश में ऐसी जगहों पर परिवार को ले जाने से बचे

–चार दिनों तक का 'येलो अलर्ट जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश में पिछले 24 घंटे की अवधि के दौरान हुई भारी बारिश के कारण 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं। इसके साथ ही मौसम विभाग ने अगले चार दिन यानी 28 जुलाई तक अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश का 'येलो अलर्ट जारी किया है। मानसून में पहाड़ों पर घूमना बहुत रोमांचक हो सकता है, लेकिन हिमाचल प्रदेश की कुछ जगहों पर भारी बारिश के कारण खतरनाक परिस्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। यदि आप घूमने के लिए हिमाचल जाने का प्लान बना रहे हैं तो अभी रूक जाइए। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, कुल 15 सड़कें वाहनों के आवागमन के लिए बंद कर दी गईं, जिनमें मंडी की 12, किन्नौर की दो और कांगड़ा जिले की एक सड़क शामिल हैं। मौसम विभाग ने तेज हवाओं और निचले इलाकों में जलभराव के कारण राज्य में बागानों और फसलों, कमजोर संरचनाओं तथा कच्चे घरों को होने वाले नुकसान के बारे में भी चेतावनी दी है। जनजातीय जिला लाहौल और स्पीति का कुकुमसेरी मंगलवार रात 10.2 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे ठंडा रहा, जबकि ऊना दिन में सबसे गर्म रहा जहां तापमान 36.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

ऐसे में पर्यटकों को यही सलाह दी जा रही है कि कुल्लू, मनाली, धर्मशाला, मैक्लोडगंज, और शिमला जैसे स्थानों पर यात्रा करते समय विशेष सावधानी बरतें और सभी सुरक्षा उपायों का पालन करें। कुल्लू और मनाली मानसून के दौरान भारी बारिश और भूस्खलन के लिए जाने जाते हैं। सड़कों पर पानी भरने और भूस्खलन की वजह से यात्रा के दौरान दुर्घटनाओं की संभावना रहती है। धर्मशाला और मैक्लोडगंज में भी मानसून के दौरान भूस्खलन का खतरा रहता है। बारिश के कारण सड़कें बंद हो सकती हैं और यातायात प्रभावित हो सकता है। शिमला में भारी बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर जाता है, जिससे यात्रा करना खतरनाक हो सकता है। मानसून में सफर करने के दौरान सावधानी बरतें। यात्रा से पहले मौसम का पूर्वानुमान जरूर देखें और उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं। अगर मौसम खराब है, तो यात्रा को टालना बेहतर होगा।

स्थानीय लोगों से वर्तमान मौसम की स्थिति और सड़कों की स्थिति के बारे में जानकारी प्राप्त करें। वे आपको अधिक सही और अद्यतन जानकारी प्रदान कर सकते हैं। अपनी कार में प्राथमिक चिकित्सा किट, टॉर्च, अतिरिक्त बैटरी, और गर्म कपड़े रखें। यात्रा के दौरान हमेशा उचित सुरक्षा उपकरण साथ रखें। ऐसे मार्गों का चयन करें जो कम भूस्खलन प्रवण हों और जहां सुरक्षा के उपाय बेहतर हों। आपातकालीन सेवाओं के संपर्क नंबर और नजदीकी अस्पतालों की जानकारी अपने पास रखें।

ममता का माइक बंद करने वाली बात झूठी : अधीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। शनिवार को दिल्ली में पीएम मोदी ने नीति आयोग की बैठक बुलाई थी। इसमें ममता बनर्जी ने माइक बंद करने का आरोप लगाया था। उनके इस बयान पर पश्चिम बंगाल कांग्रेस प्रमुख अधीर रंजन चौधरी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि नीति आयोग की बैठक के बारे में ममता बनर्जी जो कुछ कह रही हैं, मुझे लगता है कि वह झूठ बोल रही हैं। यह बहुत आश्चर्यजनक है कि किसी राज्य के सीएम को बोलने की अनुमति नहीं दी जाएगी। ममता जानती थीं कि वहां क्या होने वाला है। उनके पास स्क्रिप्ट थी।

इस मामले पर उनके विचार उनकी पार्टी कांग्रेस से अलग थे, जिसने कहा कि ममता बनर्जी के साथ जो व्यवहार किया गया वह अस्वीकार्य है। हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में टीएमसी के यूसुफ पठान से हारने वाले अधीर रंजन, ममता बनर्जी के सबसे बड़े आलोचकों में से एक हैं। चुनाव से पहले उन्होंने ममता पर कई हमले किए थे। बाद में टीएमसी ने आम चुनाव अकेले लड़ने के अपने फैसले के लिए अधीर रंजन चौधरी को दोषी ठहराया था।

अधीर रंजन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर आरोप लगाया था कि पश्चिम बंगाल में अराजक स्थिति है। राज्य में कानून व्यवस्था बहाल करने के लिए उनसे हस्तक्षेप करने की मांग की थी। चौधरी ने कहा था कि व्यक्तिगत स्तर पर मेरे लिए राज्य में अराजक स्थिति को देखना न केवल परेशान करने वाला है, बल्कि बहुत पीड़ादायक भी है। सत्ताधारी दल का रवैया काफी क्रूर है।

ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि बीजेपी शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को बोलने के लिए अधिक समय दिया गया था, लेकिन पांच मिनट बाद ही उनका माइक बंद कर दिया गया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आरोपों का खंडन किया था। कांग्रेस ने बाद में नीति आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि यह अपनी स्थापना के बाद से ही पीएम नरेंद्र मोदी के लिए ढोल बजाने का काम कर रहा है। इसका कामकाज स्पष्ट रूप से पक्षपातपूर्ण रहा है और यह पेशेवर और स्वतंत्र बिल्कुल नहीं है।

अतिक्रमण के नाम पर लोगों को उजाड़ने के बजाय... योगी सरकार को मायावती ने दी नसीहत

लखनऊ (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा है कि प्रदेश में अतिक्रमण के नाम पर लोगों को उजाड़ने के बजाय सरकार गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई व बिगड़ी कानून-व्यवस्था से त्रस्त लोगों के जीवन के सुधार पर ध्यान दे। उत्तर प्रदेश में सोमवार 29 जुलाई से शुरू हो रहे विधानमंडल सत्र से पहले बसपा प्रमुख ने 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि प्रदेश में बाढ़ की तबाही से प्रभावित लाखों परिवारों को सरकारी मदद की तत्काल आवश्यकता है और इसके प्रति सरकार का उदासीन रवैया ठीक नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''उप्र में बाढ़ की तबाही से प्रभावित लाखों परिवारों को सरकारी मदद की तत्काल आवश्यकता है, जिनके प्रति सरकार का उदासीन रवैया चिन्तनीय है।'' बसपा प्रमुख ने रविवार को सोशल मीडिया मंच 'एक?स' पर अपने एक अन्य पोस्ट में कहा, ''उप्र विधानसभा का मानसून सत्र कल सोमवार से प्रारंभ हो रहा है, जिसमें सरकार अनुपूरक बजट भी पेश करेगी।''

मायावती ने इसी पोस्ट में कहा, ''हालांकि यह सत्र भी संक्षिप्त ही होगा। लेकिन, भाजपा में जारी घमासान तथा इनकी अंदरूनी लड़ाई अगर सदन में हावी न हो और (सत्तारूढ़ दल) लोगों तथा प्रदेश के हित में कार्यों का निर्वहन करे तो बेहतर होगा।'' उन्होंने यह सुझाव भी दिया, ''अतिक्रमण के नाम पर लोगों को उजाड़ने के बजाय सरकार गरीबी, बेरोजगारी, महंगाई व बिगड़ी कानून-व्यवस्था से त्रस्त लोगों के जीवन सुधार पर ध्यान दे।'' विधानसभा के प्रमुख सचिव प्रदीप कुमार दुबे की ओर से शनिवार को जारी एक सूचना के अनुसार 29 जुलाई को सदन की कार्यवाही शुरू होगी जो दो अगस्त तक चलेगी।

सुनहरे भविष्य की चाह में छोड़ा देश अब कनाडा से हुआ मोहभंग

– अधूरी पढ़ाई छोड़ लौटे भारत बोले– जैसा सोचा था ऐसा कुछ नहीं है वहां

बठिंडा(एजेंसी)। अच्छा भविष्य बनाने भारत से कनाडा गए युवा अब वतन वापस हो रहे हैं या फिर किसी अन्य देश में पलायन कर रहे हैं। पंजाब के युवा अपना भविष्य संवारने के लिए कनाडा में बसने को सबसे ज्यादा उत्सुक रहते हैं, लेकिन अब वहां की परिस्थितियां अत्यंत कठिन होती जा रही हैं। अब कनाडा में स्थानीय लोग भी बेरोजगारी की मार झेल रहे हैं। प्रवासियों की हालत अत्यधिक खराब है और इसमें भी बेरोजगारी व महंगाई के कारण छात्रों की हालत सबसे ज्यादा खराब है।

एक अनुमान के मुताबिक बठिंडा जिले में करीब 100 ऐसे छात्र हैं जो कनाडा छोड़कर अपने घर वापस आ गए हैं। कनाडा से मोहभंग होने के बाद भारत लौटे छात्र गुरशरन सिंह ने बताया कि वह 25 लाख रुपए खर्च करके अपना भविष्य बनाने कनाडा गया था लेकिन वहां ऐसा कुछ भी नहीं था, जैसा कि हमने जाने से पहले सोचा था। वहां काम ही नहीं मिलता और यदि मिलता भी है तो मजदूरी का काम। उससे तो खर्च भी नहीं निकलता था। घर से पैसे मंगवाकर वहां रहना संभव नहीं था। इस कारण वापस आ गया और अब यहां पर पढ़ाई कर रहा हूं।

वहीं बठिंडा के ही छात्र नवदीप पुआर ने कहा कि वह पढ़ाई में होशियार हैं और उसने सोचा था कि कनाडा में पढ़ाई के दम पर अपने भविष्य को उज्ज्वल बना लूंगा लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला कि वहां पढ़ाई की कोई वैल्यू ही नहीं है। वहां तो उसको मजदूरी करनी पड़ेगी। कुछ दिन मजदूरी की बाद में परिवार से बात की और वापस लौट आया। अब कभी भी कनाडा जाने के बारे में नहीं सोचूंगा और अपना भविष्य अपने देश में ही बनाऊंगा। कनाडा सपनों का देश है, ऐसे सपने जो कभी भी सच नहीं होते हैं।

कनाडा के दौरे से लौटे एक वरिष्ठ पत्रकार सरबजीत सिंह धालीवाल ने बताया कि कनाडा में भारतीय छात्रों की स्थिति बहुत खराब है। वे वहां काफी छात्रों से मिले हैं। उनमें से 60 फीसदी छात्र वापस आना चाहते थे जबकि कुछ शर्म के कारण आने से कतरा रहे हैं परंतु आना वे भी चाहते हैं। लेखिका गुरमीत कौर जस्सी ने कहा कि छात्रों के कनाडा से मोहभंग के कई कारण हो सकते हैं। इनमें मकानों का बढ़ता किराया और महंगाई है। इस कारण अब भारतीय छात्र पढ़ाई के लिए कनाडा में रहने से कतरा रहे हैं।

भारत के मिसाइल टेस्ट की निगरानी करने चीन ने भेजा जासूसी जहाज

– मात्र 120 मील की दूरी से नजर रख रहा चीन

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने अपने जासूसी जहाज जियांग यांग होंग 03 को हिंद महासागर में भेजा है। चीन इस जहाज को रिसर्च जहाज बताता है। लेकिन बताया गया है कि यह जहाज जासूसी में इस्तेमाल होता है। लेकिन चीन की ओर से इस जहाज को भेजने का समय बेहद खास है। जहाज को ऐसे समय पर भेजा गया है जब भारतीय नेवी सब सरफेस फायरिंग करने वाला है। चीन का जासूसी जहाज मिसाइल फायरिंग वाले इलाके से 222 किमी की दूरी पर है। ओपन सोर्स इंटेलिजेंस रिसर्चर ने एक ग्राफिक्स शेयर कर इसकी जानकारी दी है। इसमें उन्होंने बताया कि बंगाल की खाड़ी में लगभग 595 किमी के एरिया में भारतीय नौसेना सब सरफेस फायरिंग अभ्यास करने वाला है। चीन का समुद्री रिसर्च पोत जियांग यांग होंग 03 वर्तमान में बंगाल की खाड़ी में जा रहा है। यह अभ्यास वाली जगह से 120 समुद्री मील (222 किमी) दूरी पर चल रहा है। चीन ने संभवतः इसे जानकारी इकट्ठा करने के लिए भेजा होगा। इससे पहले भी जब भारत को मिसाइल लॉन्च करना था तब भी चीन ने अपने जासूसी जहाजों को भेजा था। मार्च में भारत की ओर से ओडिशा तट पर मिसाइल लॉन्च के लिए अलार्म जारी किया गया था। इसके कुछ दिनों बाद एक चीनी रिसर्च जहाज भारत के पूर्वी समुद्री तट पर पहुंच गया। इसके बाद अग्नि पांच मिसाइल का सफल परीक्षण किया गया था। पीएम मोदी ने एक्स पर इसकी पुष्टि की थी। तब चीन ने जियान यांग होंग-1 जासूसी जहाज को भेजा था। चीन के ये कथित रिसर्च जहाज जासूसी के लिए इस्तेमाल होते हैं। चीन का कहना है कि वह इनके जरिए समुद्र का शोध कर रहा है। लेकिन विशेषज्ञ चेतावनी दे चुके हैं कि इस जहाज में सैन्य ग्रेड के उपकरण लगे हो सकते हैं। यह समुद्र की मैपिंग कर सकता हैं जो भारत के साथ युद्ध में चीनी पनडुब्बियों को फायदा पहुंचाएगा। पहले यह जहाज श्रीलंका के बंदरगाह पर रुकते थे। लेकिन भारत के विरोध के बाद श्रीलंका ने इसे अपने तट पर रुकने से मना कर दिया। भारत से तनाव के बीच मालदीव ने चीन के जासूसी जहाज को अपने तट पर रुकने दिया। अप्रैल में यह जहाज दूसरी बार मालदीव के तट पर रुका था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरजकुंड ओवरब्रिज पर शव रखकर लगाया जाम आस्था

हॉस्पिटल में इलाज के दौरान हुई युवक की मौत

गोरखपुर। के बेतियाहाता इलाके के आस्था हॉस्पिटल में शुक्रवार की रात ऑपरेशन के दौरान एक 19 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जिससे उसके परिजनों और स्थानीय निवासियों में आक्रोश फैल गया। मृतक युवक, राजकुमार, तिवारीपुर इलाके के माधोपुर सूरजकुंड निवासी सीताराम का बेटा था। यह घटना तब सामने आई जब शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर घर जा रहे परिजनों ने सूरजकुंड ओवरब्रिज पर शव रखकर जाम लगा दिया और डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए न्याय की मांग की। लापरवाही के कारण गले की नस काटने से हुई मौत दरअसल, राजकुमार बेंगलुरु में रहता था और हाल ही में एक महीने पहले अपने घर लौटा था। इस दौरान एक दुर्घटना में घायल होने के कारण उसे इफ्कोमेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने उसके गले में गांठ बनने की वजह से उसे अक्कटर में रेफर किया था। हालांकि, ऑपरेशन के खर्च के चलते

परिवार ने उसे वापस घर ले जाने का फैसला किया। माधोपुर काली मंदिर समिति के सदस्यों ने इस स्थिति को देखते हुए परिवार की मदद के लिए दस हजार रुपये इकट्ठा किए, ताकि राजकुमार का ऑपरेशन हो सके। शुक्रवार रात को बेतियाहाता के आस्था हॉस्पिटल में राजकुमार का ऑपरेशन किया गया। ऑपरेशन के दौरान परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर की लापरवाही के कारण गले की नस कट गई, जिससे खून का रिसाव बंद नहीं हुआ और अंततः उसकी मौत हो गई। राजकुमार की मौत की खबर फैलते ही डॉक्टर फरार हो गए और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शनिवार की शाम को करीब 4 बजे जब पोस्टमार्टम हाउस से शव को लेकर परिजन निकले तो उन्होंने सूरजकुंड ओवरब्रिज पर शव रखकर जाम लगा दिया। इस जाम की वजह से इलाके में यातायात बाधित हो गया और स्थानीय लोग भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हो गए। परिजनों का आरोप है कि डॉक्टर की लापरवाही से ही राजकुमार की मौत हुई है और वे डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाने का प्रयास किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मामले की पूरी जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, राजकुमार की मौत से लोगों पर गहरा असर पड़ा है।

कई लोगों ने अस्पताल प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए न्याय की मांग की है। इस घटना ने मेडिकल सिस्टम की खामियों और गरीब परिवारों के सामने आने वाली चुनौतियों को उजागर किया है। स्थानीय नेताओं और सामाजिक कार्यकताओं ने भी इस मामले में शामिल हो कर पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है।

गोरखपुर पुलिस ने आश्वासन दिया है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने चिकित्सा प्रणाली और प्रशासनिक जिम्मेदारियों पर एक बड़ा सवाल खड़ा किया है और यह सुनिश्चित करने की जरूरत पर बल दिया है कि इस तरह की घटनाएं भविष्य में न हों।

संक्षिप्त डायरी

मुकदमा दर्ज नहीं होने पर महिलाओं का प्रदर्शन

कुशीनगर। के रामकोला थाना क्षेत्र के टेकुआटार हरिहर पट्टी निवासी बृजेश शर्मा की कथित दुर्घटना में हुई मौत के मामले ने नया मोड़ ले लिया है। 15 दिन बीत जाने के बावजूद मुकामी थाने में मामला दर्ज न होने पर गांव की महिलाओं ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने आरोप लगाया कि पुलिस दुर्घटना की कहानी बना रही है और असली साक्ष्यों को मिटाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र मुकदमा दर्ज नहीं हुआ तो रामकोला-कसया मार्ग को जाम कर दिया जाएगा और इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी। ृजेश शर्मा के पिता योगेन्द्र शर्मा ने आरोप लगाया है कि उनके बेटे की मृत्यु दुर्घटना के कारण नहीं हुई। बल्कि उसकी प्रेमिका ने कप्तानगंज बुलाकर हत्या कराई। पुलिस जानबूझकर दुर्घटना का मनगढ़ंत किस्सा बना रही है और साक्ष्य नष्ट कर रही है। परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से मिलकर नामजद तहरीर दी थी, लेकिन मुकामी थाने में अब तक मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। महिलाओं ने प्रदर्शन के दौरान कहा कि यदि इस मामले का खुलासा नहीं हुआ तो वे जिला प्रशासन के सामने आत्मदाह करने पर मजबूर होंगी। इस दौरान यशोदा देवी, चंदा देवी, मीरा देवी, ज्ञानती देवी, अंजनी देवी, इसरावती देवी, गीता देवी, जानकी देवी, रम्भा देवी, नीतू देवी और अन्य ने टेकुआटार गांव में नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि पुलिस और जिला प्रशासन को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। जिससे न्याय मिल सके।

विधायक पीएन पाठक ने पूर्व राष्ट्रपति को किया सम्मानित

कुशीनगर। दिल्ली में शनिवार को आयोजित दिव्य प्रेम सेवा मिशन द्वारा पदम शेखर सेन कृत एकल नाट्य कबीर में भारत नामक कार्यक्रम में देश भर से आए दिव्य सेवा मिशन के कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यअतिथि पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द को कुशीनगर विधायक पीएन पाठक द्वारा कबीर में भारत नामक पुस्तक देकर सम्मानित किया गया। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द ने कहा कि सेवा मिशन द्वारा देश भर में लोगों जागृत करने का काम कर रही है कि लोग देश हित में काम करें जिससे देश आगे बढ़े। भाजपा नेता मुरलीधर राव ने कहा कि दिव्य सेवा मिशन के द्वारा देश विदेश में भारत को आगे बढ़ाने के लिए बहुत सारी कार्यक्रम चला रहे हैं कार्यक्रम में कबीर में भारत नामक पुस्तक के विषय में जानकारी देते हुए अध्यक्ष आशीष भैया जी ने कहा कि इस पुस्तक में भारत के इतिहास में कबीर की बातें रखा गया कार्यक्रम को लोकनिर्माण राज्य मंत्री बिर्जेश सिंह राज्य सभा सांसद कुंअर आरपीएन सिंह ने अपनी अपनी विचार रखा। इस अवसर पर संजय भैया राजेश सिंह सहित दिव्य सेवा मिशन के कार्यकर्ता मौजुद रहे।

वाल्टरगंज, बस्ती की शुगर मिल होंगी चालू

बस्ती। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर रविवार को बस्ती पहुंचे। यहां उन्होंने सर्किट हाउस सभागार में पत्रकारों से वार्ता करते हुए सरकारी ओर से पेश किए गए बजट के तारीफों के पुल बांध दिए। उन्होंने कहा कि पिछले बार के मुकाबले इस बार 25 हजार करोड़ ज्यादा उत्तर प्रदेश को मिला है, हमारे से प्रधानमंत्री की सरकार में प्राथमिकता गरीब कल्याण रही है, जो आने वाले पांच साल तक जो भारत सरकार ने गरीबों के भोजन की व्यवस्था की है, उसका लाभ और तीन करोड़ जो गरीबों के घर को बनाने की बात मोदी सरकार ने बजट में किया है, उसका सबसे ज्यादा लाभ और एक करोड़ युवाओं को इंर्टनशिप योजना से जोड़ने की बात इस बजट में है उसका भी सबसे ज्यादे लाभ जरूरतमंदों को मिलेगा पिछले दिनों अटल आवासीय विद्यालय परिसर में पानी भर जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह इसकी जांच कराएंगे।

अयोध्या से जल लेकर निकलेंगे कांवड़िया

बस्ती। में श्रावण मास की तेरस यानी एक अगस्त की रात 12 बजे से बाबा भदेश्वरनाथ शिव मंदिर सहित विभिन्न शिवालयों में कांवरियों की टोली देवाधिदेव महादेव का जलाभिषेक करेगी। कांवर यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुटा हुआ है। 29 जुलाई को कांवरियों की टोली अयोध्या से सरयू का पावन जल लेकर निकलेगी। कांवरियों को यात्रा के दौरान किसी तरह की दिक्कत न हो इसके लिए लखनऊ-गोरखपुर हाईवे को 29 जुलाई की सुबह चार बजे से बंद कर दिया जाएगा। बाबा भदेश्वरनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष राजेश गिरी ने बताया कि तेरस एक अगस्त को है और उदया तिथि में जल चढ़ाया जाता है। इसलिए रात्रि 12 बजे से जल चढ़ना शुरू होगा, जो दो अगस्त की शाम तक चलता रहेगा। प्रशासन ने भदेश्वरनाथ शिव मंदिर पर 5 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान लगाया है। सुरक्षा की दृष्टि से गोरखपुर जोन के आठ जिलों की फोर्स यहां बुलाई गई है। हाईवे सहित कांवर मार्ग की सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। सड़क के किनारे पेड़ों की कटाई-छंटाई कराई जा रही है। भद्रवेश्वरनाथ मार्ग एवं मंदिर परिसर को चमका दिया गया है। अमहट से लेकर मंदिर तक मार्ग पर पथ प्रकाश के लिए रॉड लगवाए जा रहे हैं यहां से रहेगा रूट डायवर्जन, यहां से निकलेंगे वाहन लखनऊ-गोरखपुर फोरलेन पर जनपद सीमा कांटे से ही वाहनों का डायवर्जन लागू कर दिया जाएगा। गोरखपुर की ओर से लखनऊ जाने वाले भारी वाहनों को खलीलाबाद के रास्ते रामजानकी होते हुए आंबेडकरनगर जनपद निकाला जाएगा। पॉलिटेक्निक चौराहे पर भी डायवर्जन रहेगा। यहां पहुंचने वाले सभी वाहनों को बांसी मार्ग या डुमरियागंज मार्ग की ओर से निकाला जाएगा। लखनऊ की ओर आने वाले वाहन बाराबंकी से गोंडा जनपद होकर निकाले जाएंगे। एएसपी ने सीओ को साथ किया निरीक्षण रविवार को अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह सीओ सिटी सत्येंद्र भूषण तिवारी के साथ भदेश्वरनाथ शिव मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मंदिर के साथ ही पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने जलाभिषेक के दौरान मंदिर में किए गए व्यवस्थाओं सहित मार्गों का भी निरीक्षण किया।

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर नयी दिशा ने किया पौधरोपण

कुशीनगर। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर रविवार को नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान द्वारा कसया नगर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में पौधरोपण कर प्रकृति संरक्षण का संकल्प लिया गया। संस्था सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र ने कहा कि जैव विविधता और प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा हम सबके लिए महत्वपूर्ण है। एक स्थिर और स्वस्थ समाज को बनाए रखने हेतु स्वस्थ पर्यावरण और प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करना जरूरी है। लुप्तप्राय पौधों और जानवरों के संरक्षण के साथ साथ प्रकृति के विभिन्न घटकों जैसे जीव-जंतु, वनस्पति, मिट्टी, पानी, ऊर्जा संसाधन और हवा को संतुलित रखना होगा। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस मनाने का उद्देश्य इन सब बिंदुओं पर ध्यान देते हुए भविष्य की पीढ़ियों के लिए पर्यावरण को संरक्षित रखना है।

उपाध्यक्ष इंद्र कुमार मिश्र ने कहा कि प्रकृति संरक्षण सामूहिक जिम्मेदारी है। हम सबको व्यक्तिगत स्तर पर पर्यावरण को प्रदूषित करने वाली चीजों से दूर रहना होगा अन्यथा हमारी पीढियां भयंकर पर्यावरणीय संकट झेलेंगी। इस अवसर पर दिवाकर राव, शिवम प्रताप सिंह, शौर्य प्रताप सिंह, प्रांशु वर्मा, शिवम मौर्या, अनूप सिंह, दीपक गौड़, प्रिंस चौबे, शिवम यादव, दिलीप प्रजापति, विवेक पाल, मुकेश मिश्र आदि उपस्थित रहे।

बच्चों को संस्कारवान, चरित्रवान व धैर्यवान बनाएं: प्रो जेपी सैनी

कुशीनगर। नई शिक्षानीति ने अपार संभावनाओं का द्वार खोल दिया है। इसके माध्यम से बच्चे की जिस क्षेत्र में रुचि है उसी में आगे ले जाए जानें के लिए सभी कार्य कर रहें हैं। उक्त बातें भारतीय शिक्षण मंडल गोरक्ष प्रांत द्वारा फाजिलनगर के इण्टर कालेज जौराबाजार में आयोजित ₹शिक्षा चौपाल₹ कार्यक्रम में भारतीय शिक्षण मंडल गोरक्ष प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष तथा मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमएमएमयूटी) के कुलपति प्रो. जे.पी.सैनी ने छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद करते हुए कही। प्रो सैनी ने कहा कि इसे प्रचीन शिक्षा के साथ साथ नये इनोवेशन को लेकर तैयार किया गया है। अब ऐसी व्यस्था दी जा रही है कि शिक्षा मातृभाषा में ही हो। इस तकनीकी युग मे विद्यार्थी अपने रुचि के अनुसार जहां से जो जानकारी प्राप्त करना चाहे, उसे मिल जाएगा।

ऐसे समय मे अभिभावक और शिक्षक विशेष रुप से बच्चों को संस्कारवान, चरित्रवान व धैर्यवान बनाएं।शिक्षक बच्चों की रुचि के अनुसार उनके प्रतिभा को निखारनें का कार्य करें। आप अपने गुणों को निखारकर अपने प्रतिभा को प्लेटफार्म दें। आप इस दिशा में सोचें कि आपको जाब प्रोवाईडर बनना है। भारतीय शिक्षण मंडल की प्रांतीय उपाध्यक्ष तथा यूएनपीजी कालेज की प्राचार्य डा. ममता मणि त्रिपाठी, प्रांतीय मंत्री प्रदीप सिंह, शोणभद्र इ.का.के प्रबंधक युवा समाजसेवी उद्भव त्रिपाठी, विश्वामित्र त्रिपाठी, जितेंद्र स्मारक इ.का नारायनपुर कोठी के प्रधानाचार्य व जिला संघ चालक रामाश्रय प्रसाद, डा.चंद्रशेखर सिंह, डा.रामप्रीत मणि, डा. कालिंदी त्रिपाठी, सुरेश प्रसाद गुप्ता, डा.चंद्रप्रकाश सिंह आदि नें संबोधित किया।

युवा समाजसेवी उद्भव त्रिपाठी नें अतिथियों को स्मृतिचिन्ह व उत्तरीय भेंटकर स्वागत किया।इस दौरान विद्यालय के प्रधान लिपिक सुबोध पांडेय, विजय उपाध्याय, शिवेंद्र पांडेय, अंशुमान चतुवेर्दी, धर्मेंद्र सिंह, सुनील दत्त तिवारी, श्रीमती सुमन द्विवेदी, अनिल द्विवेदी, राजेश उपाध्याय, मनीष तिवारी, विनय तिवारी, सुरेंद्र सिंह कुशवाहा, बबलू राय, बिट्टन दूबे, प्रदीप दूबे, विकास चतुवेर्दी, रामेश्वर सिंह आदि शिक्षक, छात्र, अभिभावक उपस्थित रहे।संचालन शोणभद्र इ.का.के प्रधानाचार्य अशोक कुमार गौड़ नें किया।

शिविर में 150 मरीजों की हुई जांच, 50 मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित

कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के श्रीमती अशर्फी देवी, इन्द्रशन कुशवाहा उमा विद्यालय विजयपुर बाजार के परिसर में आयोजित निःशुल्क नेत्र जांच शिविर में राज आई हॉस्पिटल गोरखपुर के चिकित्सकों ने 150 मरीजों के आंखों की जांच कर मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए 50 मरीजों को चिन्हित किया। रविवार को राम नरायण एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा आयोजित शिविर का शुभारंभ फीता काटकर आयोजक समाजसेवी मनोज कुमार कुशवाहा ने किया। श्री कुशवाहा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में इस तरह के आयोजन से आम जरूरतमन्दों को दूर नहीं जाना पड़ेगा। लोगों की सेवा से आत्मिक सुख मिलता है। ऐसे शिविर हमेशा आयोजित किये जायेंगे। शिविर में डा. रेहान खान, विशाल मौर्या, अंकित दूबे,राजरतन राव, शमशाद अंसारी ने मरीजों के आंखों की जांच की और उन्हें आँखों के बचाव को लेकर सलाह दी। विद्यालय प्रबंधक राजीव कुशवाहा, प्रधानाचार्य अनिल कुशवाहा, अन्य विनोद कुशवाहा, महेंद्र कुशवाहा, दीनानाथ कुशवाहा, मदन, राम आधार कुशवाहा, दिनेश गुप्ता सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

मेंहदावल एसओ का कारनामा पीड़ित को ही बना दिया जालसाजी का मुजरिम

संतकबीर नगर। सूबे की सरकार बेहतर पुलिसिंग के लिए तरह-तरह के प्रावधान कर रही है और पुलिस को हाईटेक बनाने का गंभीरता से प्रयास कर रही है। लेकिन मेंहदावल पुलिस अपने ही कारनामों के कारण चर्चा में है। जिस पीड़िता ने पिछले छह माह से न्याय की लड़ाई लड़ी, उसी के खिलाफ मेंहदावल पुलिस ने गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर दिया। हैरानी की बात यह है कि उसके खिलाफ कोई तहरीर भी नहीं दी गई थी। यह कृत्य मेंहदावल पुलिस की कार्यप्रणाली को कटघरे में खड़ा करता है। जानकी देवी पत्नी मुन्ना, निवासी चहोरी थाना कैंपियरगंज, अपने सगे भाई तुलसीराम उर्फ नाथूराम के 25 वर्ष से लापता होने के बाद उनकी भूमि का फर्जी बैनामा कराए जाने की लड़ाई लड़ रही हैं। पिछले छह माह में उन्होंने जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, उपनिबंधन कार्यालय सहित अन्य स्थानों पर पत्र भेजकर भूमाफियाओं के कृत्य को उजागर किया। बावजूद इसके, इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। 27 जुलाई को उपनिबंधक मेंहदावल ने जानकी देवी की शिकायत का संज्ञान लेते हुए तुलसीराम की भूमि का फर्जी बैनामा कराने वाले छह आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की तहरीर मेंहदावल पुलिस को दी। चौंकाने वाली बात यह है कि मेंहदावल पुलिस ने छह आरोपितों के साथ-साथ पीड़िता जानकी देवी और उनके भाई तुलसीराम उर्फ नाथूराम के खिलाफ भी जालसाजी, फजीर्वाड़ा, ठगी व आपराधिक साजिश रचने का मुकदमा दर्ज कर लिया। सवाल खड़ा होता है कि जब उपनिबंधक ने तहरीर में इन लोगों का उल्लेख नहीं किया तो पुलिस ने अपने मन से पीड़िता को ही मुजरिम कैसे बना दिया।

अब मामला चर्चा में आया है तो पुलिस पीठ के बल बैठ गई है और इस मामले पर कोई भी कुछ कहने से बच रहा है। सवाल खड़ा होता है कि आखिर पुलिस जो रोज तहरीर और मुकदमों से खेलती है, वह इतनी बड़ी गलती कैसे कर सकती है। मेंहदावल उपनिबंधक विनोद कुमार गुप्ता ने पीड़िता जानकी देवी की शिकायत का संज्ञान लेते हुए क्रेता, विक्रेता व गवाह के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत करने की तहरीर दी थी। तहरीर में पूरी तरह से यह बातें स्पष्ट भी हैं। बावजूद इसके, मेंहदावल पुलिस ने तहरीर नहीं पढ़ पाई और उसने पीड़िता और 25 वर्ष से गायब व्यक्ति को भी मुजरिम बना दिया। अब यह जांच का विषय है कि आखिर किसके स्तर से इतनी बड़ी चूक हुई जो मेंहदावल पुलिस की फजीहत करा गई। एसओ रामकृपाल सिंह ने कहा कि उपनिबंधक की तहरीर मिलने के बाद थाने के दीवान को मुकदमा दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। मानवीय त्रुटि के आधार पर उन्होंने दो गलत नाम एफआईआर में डाल दिए।

पूरे मामले की जांच करते हुए संबंधित के खिलाफ कार्रवाई के लिए उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट भेजी जाएगी। सीओ केशवनाथ ने कहा कि अगर इस तरह की लापरवाही हुई है तो यह बड़ी चूक है।

पूरे मामले की जांच कराई जाएगी और जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। इस तरह की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी।